www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 31.c

23.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 80.670g

चांदी 96.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

फुटवियर की दुकान में स्मैक व तमंचा रखने वाला गिरफ्तार 04

वर्ष :08 | अंक :211 | मुंबई , बुधवार ,22 जनवरी , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण बंद हुई गुरेज-बांदीपुरा रोड और दावर-तुलैल रोड, मरम्मत का काम जारी

कश्मीर घाटी पिछले कई दिनों से बर्फ की मोटी चादर से ढकी हुई है। बर्फबारी और बर्फ की ये परतें देखने में बेहद खूबसूरत और मनमोहक लगती हैं, लेकिन इससे वहां रहने वाले लोगों की दैनिक गतिविधियों में बाधा भी आती है। चिल्लई कलां के दौरान, गुरेज-बांदीपोरा मार्ग और दावर-तुलैल मार्ग को बंद कर दिया गया, क्योंकि सड़क पर बर्फ की मोटी चादर जम गई थी, जिससे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया। हालांकि, बर्फबारी के कारण बंद हुए गुरेज-बांदीपोरा रोड और दावर-तुलैल रोड पर मरम्मत का काम मंगलवार को शुरू हो गया और यह काम चल रहा है। गुरेज के एसडीएम द्वारा साझा किए गए दृश्यों में दिखाया गया है कि इलाके से बर्फ हटाने के लिए एक अर्थ-मूविंग मशीन लगातार काम कर रही है। इस बीच, श्रीनगर में प्रतिष्ठित डल झील शहर में चल रही शीत लहर के बीच शांत बनी हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहेगा। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां का दौर चल रहा है। यह जम्मू-कश्मीर, खासकर कश्मीर घाटी में 40 दिनों तक चलने वाली भीषण ठंड की अवधि है। यह 21 दिसंबर से शुरू हुआ है और 31 जनवरी तक रहेगा। चिल्ला-ए-कलां के नाम से भी जाना जाने वाला यह काल, जिसका अर्थ है चालीस दिन की तीव्र ठंड, शून्य से नीचे के तापमान, जमे हुए जल निकाय और ठंढ और बर्फ से ढके परिदृश्यों से चिह्नित है। इस क्षेत्र में आमतौर पर भारी बर्फबारी होती है, जिससे दैनिक जीवन बाधित होता है। इस दौरान, तापमान अक्सर बेहद कम स्तर तक गिर जाता है। जिससे श्रीनगर में प्रसिद्ध डल झील के कुछ हिस्सों सहित जल निकाय जम जाते हैं। पूरा उत्तर भारत शीत लहर की चपेट में है। मंगलवार की सुबह दिल्ली में कोहरे की चादर छाई रही, जबकि प्रयागराज और अयोध्या में कोहरे की घनी चादर छाई रही।

महाकुंभ 2025: अपने परिवार के साथ गौतम अडानी ने की पूजा और आरती, बोले, मां गंगा के आशीर्वाद से बड़ा कुछ नहीं

▶ महाकुंभ में अडाणी ने खुद बनाया हलवा-पूड़ी:बेटे की शादी को लेकर कहा- आम लोगों की तरह होगी, पत्नी संग गंगा आरती की

महाकुंभ 2025

▶▶ अदानी समूह ने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में भक्तों को भोजन परोसने के लिए इस्कॉन के साथ साझेदारी की है, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहा है।

एजेंसी

प्रयागराज , अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी आज दोपहर प्रयागराज में महाकुंभ मेले में पहुंचे। 62 वर्षीय अरबपति के साथ उनकी पत्नी प्रीति अडानी भी थीं। गौतम अदाणी ने अपने परिवार के साथ महाकुंभ मेले के दौरे के दौरान मंगलवार को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर पूजा-अर्चना की और आरती की। अदानी समूह ने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में भक्तों को भोजन परोसने के लिए इस्कॉन के साथ साझेदारी की है, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहा है। अडानी को महाकुंभ में इस्कॉनमंदिर शिविर में देखा गया, जहां उन्होंने भोजन वितरित करने से पहले 'सेवा' की। अदानी समूह के अध्यक्ष ने पूजा पूरी करने के बाद कहा कि यहां प्रयागराज महाकुंभ में मुझे जो अनुभव हुआ है, वो अद्भुत है। यहां जो प्रबंधन है, मैं देशवासियों की तरफ से पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं। यहां जो प्रबंधन है - वह प्रबंधन संस्थानों के लिए शोध का विषय है। मेरे लिए मां गंगा के आशीर्वाद से बड़ा कुछ नहीं है। इससे पहले, प्रयागराज पहुंचने पर, अदानी ने महाप्रसाद सेवा पहल में योगदान देने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) से भी हाथ मिलाया। इस कार्यक्रम के तहत, पूरे मेले में भक्तों को भोजन परोसा जाएगा, जो 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाला है। 9 जनवरी को, अदानी समूह और इस्कॉन ने महाकुंभ मेले में आने वाले बड़ी संख्या में भक्तों को मुफ्त भोजन प्रदान करने के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा की। मेले के दौरान महाप्रसाद सेवा से 50 लाख श्रद्धालुओं को भोजन मिलने की उम्मीद है। भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर स्थित दो रसोई घरों में तैयार किया जाएगा और पूरे मेले में 40 अलग-अलग स्थानों पर वितरित किया जाएगा।

मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस समारोह में आया हूं- अनुपम खेर

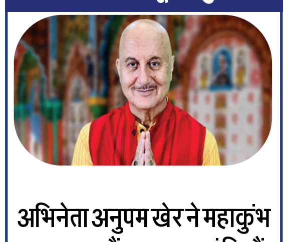

अभिनेता अनुपम खेर ने महाकुंभ पर कहा- मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस समारोह में आया हूं। जिस तरह से यहां आयोजन हुआ है, एक सुरक्षित वातावरण है। इसका श्रेय प्रशासन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। मैं सबके लिए प्रार्थना करूंगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संगम में स्नान किया, साथ में पत्नी और मंत्री नंदी भी रहे।

आप केवल मुसलमानों की शादियां और तलाक रोक रहे

उत्तराखंड में यूसीसी को लेकर बोले असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी

> ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफ्रॉम सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।

उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी में है। इसकी को लेकर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने कहा कि जब आप हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को अपवाद दे रहे हैं तो इसे यूसीसी नहीं कहा जा सकता है और यह आदिवासियों पर भी लागू नहीं होगा। ये कैसा यूनिफ्रॉम सिविल कोड? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप केवल मुसलमानों की शादियाँ और तलाक रोक रहे हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफ्रॉम सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।' जैसे CAA पर विरोध हुआ था, वैसे ही अगर वक्फ संशोधन बिल पास हुआ तो भी विरोध होगा। इससे पहले उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी। अधिकारियों के अनुसार, यह विकास विधायी विभाग द्वारा मैनुअल की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद हुआ। मंजूरी के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2022 के चुनावों से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मेहनत आपकी, मुनाफा किसका : राहुल गांधी

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर वार, बोले- गरीब और मिडिल क्लास का जीना मुहाल

> राहुल ने दावा किया कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार पर उसकी आर्थिक नीतियों को लेकर निशाना साधा। इसक साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि वास्तविक विकास तब है जब हर कोई प्रगति करे, व्यापार के लिए उचित माहौल हो, निष्पक्ष कर प्रणाली हो और श्रमिकों की आय बढ़े। राहुल ने एक्स पर लिखा कि मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई: मेहनत आपकी, मुनाफा किसका? आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? जरा सोचिए। राहुल ने दावा किया कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। इसके साथ ही राहुल ने आगे लिखा कि पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है। सरकार पर हमला जारी रखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि हानिकारक GST और इनकम टैक्स की मार ने गरीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ किया जा रहा है।

जानबूझकर 1991 पूजा स्थल कानून मामले में जवाब दाखिल नहीं किया जा रहा

मथुरा मस्जिद पैनल ने केंद्र पर लगाया आरोप

▶▶ समिति ने कहा है कि वह याचिकाओं के एक समूह में हस्तक्षेपकर्ता है और मथुरा में शाही मस्जिद ईदगाह के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है, जिस पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 17 मुकदमों की सुनवाई की जा रही है। इसमें बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 12 दिसंबर को केंद्र को जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था

एजेंसी

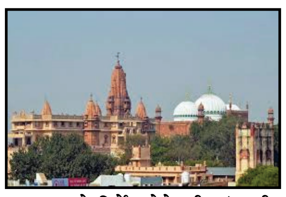

मथुरा , मथुरा की शाही मस्जिद कमेटी ने केंद्र पर पूजा स्थल मामले में जानबूझकर जवाब दाखिल नहीं करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में मस्जिद समिति ने याचिकाओं पर जवाब देने के केंद्र के अधिकार को हटाने के लिए अदालत से निर्देश देने की मांग की, ताकि मामला आगे बढ़ सके। इसने तर्क दिया कि केंद्र जानबूझकर अपना जवाब दाखिल नहीं कर रहा है और उन लोगों को उनके संबंधित लिखित प्रस्तुतियाँ / प्रतिक्रियाएँ दाखिल करने में बाधा डाल रहा है जो पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को चुनौती देने का विरोध कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ दायर की गई याचिका, जांच को प्रभावित करने का आरोप

एजेंसी

आंध्र प्रदेश, सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है जिसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनकी सरकार पर उनके और अन्य लोगों के खिलाफ कई आपराधिक मामलों की जांच को पटरी से उतारने के व्यवस्थित प्रयासों का आरोप लगाया गया है। सात मामलों को आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में स्थानांतरित करने की मांग की गई है।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर मुठभेड़..27 नक्सलियों के मारे जाने की खबर

16 की डेडबॉडी रिकवर, इनमें 1 करोड़ के इनामी समेत कई कमांडर; सर्चिंग ऑपरेशन जारी

> एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले सोमवार को छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान दो महिला नक्सली मारी गईं और सीआरपीएफ की विशिष्ट कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन का एक जवान घायल हो गया।

एजेंसी

छत्तीसगढ़, गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम 14 नक्सली मारे गए। मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली भी मारा गया। मुठभेड़ अभी भी जारी है। एक अधिकारी ने कहा कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर स्थित मैनपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक वन क्षेत्र में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह ताजा गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के दौरान 12 और नक्सली मारे गये। उन्होंने कहा कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), छत्तीसगढ़ से कोबरा और ओडिशा से स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के सुरक्षा कर्मियों की एक संयुक्त टीम ऑपरेशन में शामिल थी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले सोमवार को छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान दो महिला नक्सली मारी गईं और सीआरपीएफ की विशिष्ट कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन का एक जवान घायल हो गया।

खतरनाक

बोले- सरकारी स्कूलों में बंद कर दी जाएगी मुफ्त शिक्षा

केजरीवाल ने भाजपा के घोषणापत्र को बताया खतरनाक

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भाजपा के चुनाव घोषणापत्र को देश के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी सत्ता में आने पर सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा बंद करने और मोहल्ला क्लीनिक समेत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं को खत्म करने की योजना बना रही है। एक संवाददाता सम्मेलन में, केजरीवाल ने भाजपा पर घोषणापत्र में अपने असली इरादों को उजागर करने का आरोप लगाया और मतदाताओं को पार्टी का समर्थन करने के खिलाफ चेतावनी दी। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि जारी किए गए अपने दो संकल्प पत्रों में बीजेपी ने कबूल किया है और सीधे ऐलान कर दिया है कि वे दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक बंद कर देंगे और दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिलने वाली फ्री शिक्षा बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि मैंने तो पहले ही कहा था कि बीजेपी दिल्ली का चुनाव केवल और केवल दिल्ली में लोगों को मिलने वाली सभी योजनाओं को बंद करने के लिए लड़ रही है। इन्होंने अब कबूल कर लिया कि वे फ्री शिक्षा और फ्री इलाज (दवाईयां, टेस्ट और सर्जरी) बंद कर देंगे। लेकिन देख लेना कि ये लोग अन्य योजनाएं जैसे फ्री बिजली, पानी और महिलाओं की फ्री बस यात्रा भी बंद कर देंगे। केजरीवाल ने लोगों से कहा कि गलत बटन मत दबा देना। नहीं तो दिल्ली में रहना मुश्किल कर देंगे ये लोग। वहीं, कजरीवाल ने कहा कि अगर उनकी पार्टी दिल्ली में दोबारा सत्ता में आती है तो उनकी शीर्ष प्राथमिकता युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना होगा। दिल्ली विधानसभा के लिए पांच फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, मैं जो सबसे बड़ा काम करने जा रहा हूं, वह रोजगार पर है।

> केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि जारी किए गए अपने दो संकल्प पत्रों में बीजेपी ने कबूल किया है और सीधे ऐलान कर दिया है कि वे दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक बंद कर देंगे और दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिलने वाली फ्री शिक्षा बंद कर देंगे।

मैं अपने युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करूंगा। हमारे युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। दोनों दिल्ली और देश के लिए खतरनाक हैं. हम लगातार कह रहे हैं कि हमने शिक्षा मुफ्त कर दी है, अगर वे सत्ता में आते हैं, तो वे मुफ्त शिक्षा और मुफ्त बिजली बंद कर देंगे. चार दिन पहले, पहले संकल्प पत्र में उन्होंने कहा कि वे मोहल्ला क्लीनिक बंद कर देंगे. केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो सरकारी स्कूलों में शिक्षा बंद कर देगी.

उन्होंने कहा कि आज के संकल्प पत्र में वे कह रहे हैं कि वे सरकारी स्कूलों में शिक्षा बंद कर देंगे. उन्होंने कहा है कि वे केवल जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त शिक्षा देंगे.

केरल ने केंद्र से यूजीसी नियमों को खत्म करने का किया आग्रह

विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आज राज्य विधान सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र से 2025 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने और राज्य सरकारों और अकादमिक विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद नए मानदंड पेश करने का आग्रह किया गया। यह प्रस्ताव विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। अपने भाषण में, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देश भर के विश्वविद्यालय अपने संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुरूप काम करते हैं, और उचित परामर्श के बिना केंद्रीय नियमों को लागू करने का कोई भी कदम भारत के संघीय ढांचे को कमजोर कर देगा। सीएम ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार कार्य करते हैं क्योंकि उनके पास विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए समन्वय और मानक तय करने की शक्ति केवल केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों को नजरअंदाज करके और सभी हितधारकों के साथ चर्चा किए बिना, केंद्र ने मसौदा दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कुलपतियों की नियुक्ति सहित राज्य सरकारों की राय को पूरी तरह से बाहर रखा गया है, और इसलिए, वे संघीय प्रणाली और लोकतंत्र के साथ असंगत हैं। सीएम ने दावा किया कि मानदंडों में निजी क्षेत्र के व्यक्तियों को भी कुलपति के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने का प्रावधान, जबकि अकादमिक विशेषज्ञों पर विचार नहीं किया गया।

> सीएम ने कहा कि विभिन्न राज्यों में विश्वविद्यालय संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित कानूनों के अनुसार कार्य करते हैं क्योंकि उनके पास विश्वविद्यालयों की स्थापना और पर्यवेक्षण करने की शक्ति है।

सम्पादकीय

संपन्नता का आधार बनेंगे संपत्ति कार्ड, हाशिए पर मौजूद लोगों को मिलेगा लाभ

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड बांटते हुए कहा कि इससे आर्थिक विकास होगा और गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी। उनकी ओर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 10 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50,000 से अधिक गांवों में स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए गए ।इस योजना का उद्देश्य ग्राम स्वराज को जमीनी स्तर पर उतारना है। संपत्ति कार्ड के चलते विकास संबंधी योजनाएं सटीक होंगी, जिससे खराब नियोजन के कारण होने वाली बबार्दी और बाधाएं दूर होंगी। इसी तरह पंचायत भूमि और चरागाह क्षेत्रों की पहचान सहित संपत्ति के अधिकार भूमि स्वामित्व पर विवादों को हल करेंगे, जिससे ग्राम पंचायतें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। संपत्ति कार्ड से आपदाओं के दौरान मुआवजे का दावा भी आसान हो जाएगा ।अप्रैल 2020 में प्रारंभ स्वामित्व योजना का उद्देश्य गांव में प्रत्येक संपत्ति मालिक को अधिकार अभिलेख प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को सक्षम बनाना है। यह योजना नवीनतम ड्रोन सर्वेक्षण और जीआइएस तकनीक के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी वाली भूमिका का सीमांकन करती है। भारत में ग्रामीण भूमि के बंदोबस्त के लिए अंतिम सर्वेक्षण कई दशक पहले पूरा हुआ था ।इसके अलावा कई राज्यों में गांव के आबादी क्षेत्र का सर्वेक्षण या मानचित्रण नहीं किया गया था। इसलिए ग्राम आबादी क्षेत्र के लिए अधिकार अभिलेख नहीं बनाया जा सका। स्वाभाविक रूप से कानूनी दस्तावेज या स्वामित्व के प्रमाण के अभाव में आबादी क्षेत्र में संपत्ति मालिक अपने घर के उन्नयन या अपनी संपत्ति को बैंकों द्वारा ऋण और अन्य वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से स्वीकृत वित्तीय संपत्ति के रूप में संस्थागत ऋण प्राप्त नहीं कर पाए। यह स्थिति पिछले सात दशकों से अधिक समय से चली आ रही थी, जो देश के तीव्र आर्थिक विकास के रूप में बाधक बनी हुई थी। संपत्ति एक ऐसा सामाजिक संबंध है, जो किसी व्यक्ति को संपत्ति स्वामी के रूप में मान्यता देता है। यह उसके आत्मसम्मान, आत्मविश्वास के साथ-साथ सुरक्षा के भाव से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इंस्टीट्यूट आफ रेस रिलेशंस के 2021 के एक अध्ययन के अनुसार संपत्ति का अधिकार मानव अधिकार है। यह लोगों को उनकी संपत्ति को कानूनी और सामाजिक मान्यता देता है। यह अधिकार स्वतंत्र समाज का अस्तित्व बनाए रखने का एक अभिन्न अंग है ।2008 में यूएनडीपी के तहत बने कार्य समूह कमीशन आन द लीगल एंपावरमेंट आफ द पुअर की सह-अध्यक्षता पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री मैडेलीन अलब्राइट और पेरू के अर्थशास्त्री हर्नांडो डी सोटो ने की थी।

आज का विचार

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष :वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन :आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क :आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या :आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला: आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक :आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु :आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर :आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्त्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन :आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

> याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है।

पा राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक 'फ्रीबीज' की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को 'रिश्वत' नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे-अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले-बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें ।कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी 'तलाक' ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार 'गला मरोड़ने' में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु-परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं। चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत-हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण-गरीब सवर्ण, आदिवासी-अल्पसंख्यक, महिला-पुरूष, युवा-बुजुर्ग, किसान-मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है। शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर-घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है? देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है ।याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं ।अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी 'सम्पूर्ण क्रांति' की सफलता-विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी 'अन्ना हजारे क्रांति' की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस-भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरूआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है। यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक-दूसरे को मात देने के लिए अपने-अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा-सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है ।वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग-अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी-प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा-देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है। इसलिए इसको हतोत्साहित करने के लिए मतदाताओं को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह नीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक कैंसर साबित होंगे। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये भी तो इसी बात की चुगली करते हैं ।आपने देखा-सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन-इन धंधों/पेशों में दी जा रहीं हैं। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन-इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी-दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है। वहीं, डिजिटल धोखाधड़ी और प्रशासनिक तिकड़मों का तो कहना ही क्या है? बेहतर पुलिसिंग आज भी यक्ष प्रश्न है ।वहीं, राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं। इससे पूंजीपतियों की जमात, उनके शागिर्द, प्रशासनिक हुक्मरान और उसकी पूरी चेन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की फौज और उनके करीबी लोग तो हर तरीके से मस्त हैं, लेकिन आमलोगों की फटेहाली पर तरस खाना स्वभाविक है। जिनके पास कुछ पूंजी-पगहा, मकान-दुकान या खेती योग्य जमीन या फिर छोटी-मोटी निजी या सरकारी नौकरी है, वह तो किसी तरह गुजर-बसर कर लेते हैं, लेकिन जो न शिक्षित हैं, न संसाधनों से लैस, उनकी बेचारगी देखते ही बनती है ।ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है।

वहीं, न तो सबके लिए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित है और न ही सुविधाजनक परिवहन। गरीबी हटाओ और रोटी-कपड़ा-मकान का नारा भी टांय-टांय फिस्स हो चुका है। सबको शिक्षा-स्वास्थ्य-सम्मान की सामाजिक न्याय वाली बात भी पूंजीपतियों के एजेंडे की दासी बन चुकी है ।यह सब इसलिए कि भले ही सरकार अपने नागरिकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय समानताओं की बात करती है, लेकिन असमान कानूनों को गढ़कर वह ही सबसे ज्यादा सामाजिक विभेद भी पैदा कर रही है ।सवाल है कि उसका लोकतंत्र आखिर पूंजीपतियों का संरक्षक क्यों बना बैठा है। क्या फ्रीबीज का लॉलीपॉप थमाकर पूंजीपति सभी राष्ट्रीय संसाधनों पर काबिज हो जाएंगे, फिर उसके बाद लोगों को बाबाजी का ठुल्लू थमा देंगे, यही उनकी योजना है। यदि यही न्यू वर्ल्ड आर्डर है या फिर ग्लोबल पैटर्न तो फिर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि दलितों और पिछड़ों के लोकलुभावन वोटिंग पैटर्न के चक्कर में सबसे ज्यादा समाज का माध्यम वर्ग ही पिसेगा, यही नई त्रासदी है।

आफत बनती जंगल की आग

विजय गर्ग

अमेरिका अब तक की सबसे भीषण आग से झुलस रहा है। इसके प्रांत कैलिफोर्निया के बड़े इलाके में जंगल धधक उठे हैं। दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। हजारों घर राख हो गए हैं। बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हो चुके हैं हजारों एकड़ क्षेत्र बर्बाद हो गया है। यह आग असाधारण इसलिए भी कही गई। क्योंकि आम तौर पर जनवरी में वहां जंगल की आग का कोई मौसम नहीं होता। दावा किया गया कि जलवायु परिवर्तन, ऊंचे तापमान, शुष्क मौसम और सूखे ने अचानक ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भड़की चिंगारियों ने तेज हवाओं के संग खौफनाक रूप धर लिया और बड़े इलाके को इस तरह तबाह कर दिया, मानो वहां कोई बड़ा बम गिरा दिया गया हो।

पहली बार ऐसा लगा कि दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क, कैलिफोर्निया के लास एंजिलिस इलाके में बेहद तेजी से फैली आग के आगे निरुपाय हो गया। इस आग से निपटने की नीतियों को लेकर वहां राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। जहां तक पर्यावरणीय और वैज्ञानिक कारणों की बात है, तो अमेरिका के 'नेशनल ओसियानिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) का कहना है कि पिछले दो दशकों में पश्चिमी अमेरिका में जलवायु परिवर्तन के कारकों की अनदेखी ने जो हालात पैदा किए हैं, वे इस आग के लिए मुख्यतः जिम्मेदार हैं। आमतौर पर वहां मई जून से लेकर अक्तूबर के बीच जंगल की आग लगने की कुछ घटनाएं हर साल होती रही हैं, लेकिन इधर लगने लगा है कि इस आग की समयावधि का दायरा बढ़ गया है। इस बार सबसे पहले जंगल की आग कैलिफोर्निया के पैलिसेड्स इलाके में भड़की आसमानी बिजली या किसी इंसान की करतूत से छोटे स्तर पर जंगल में लगी आग वहां बहने वाली तेज हवाओं के कारण इस कदर बेकाबू हो गई कि एक बड़ा इलाका देखते-देखते राख हो गया, जहां हालीवुड की अनेक हस्तियों के आलीशान घर थे।

लास एंजिलिस के ईटन नामक उत्तरी हिस्से में लगी आग आल्टाडेना जैसे शहरों में फैल गई। कहने को तो यह सिर्फ जंगल की आग है, लेकिन जिन कारणों से अमेरिका बुरी तरह झुलसा है, उससे पूरी दुनिया में यह चिंता फैल रही है कि ऐसा तो कहीं भी और कभी भी हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, गर्म और शुष्क मौसम और सूखे की स्थितियों में अमेरिका के इस इलाके में यह आग तब लगी, जब इसके लगने की कोई आशंका नहीं थी। यानी जिस मौसम में इन इलाकों के जंगल करीबन हर वर्ष या दूसरे वर्ष दहकते थे, वह मौसम अभी वहां आया ही नहीं था। इसलिए बेमौसम लगी जंगल की आग ने ऐसा तांडव मचा दिया कि महाशक्ति अमेरिका की सांसें भी फूल गई।

वन क्षेत्रों में आग लगने के सबसे अहम कारणों में सूखे का मौसम और तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली गिरने को गिना जाता है, लेकिन लास एंजिलिस में फैली आग के पीछे इंसानी हाथ हो सकता है, ऐसा एक दावा कैलिफोर्निया की दमकल सेवा के प्रमुख डेविड एक्यूना ने किया। उन्होंने कहा कि इस इलाके में 95 फीसद आग इंसान ही लगाते आए हैं और हो सकता है कि इस बार भी ऐसा हुआ हो। मौसम विशेषज्ञों ने पश्चिमी अमेरिकी जंगलों में आग के खतरे और इसकी प्रमुख वजह के रूप में जलवायु परिवर्तन को चिह्नित किया है। जलवायु संकट से तापमान बढ़ा है, लंबे समय तक सूखे और शुष्क मौसम की स्थितियां बनी हैं, जिनसे अब पूरे वर्ष आग लगने और उसके फैल जाने की आशंका पैदा हो गई है। इसमें सितंबर के अंत से मई तक बीच-बीच में सौ मील या उससे ज्यादा रफ्तार से चलने वाली 'सेंटा एना' हवाओं ने आग में घी का काम किया है। कैलिफोर्निया के पहाड़ों से समुद्र की तरफ बहने वाली ये हवाएं जब जंगल की आग के साथ बहती हैं, तो त्रासदी कुछ उसी तरह बढ़ती है, जैसी इस बार बढ़ी है।

आमतौर पर जिन इलाकों में बारिश होती है, वहां अनुकूल वातावरण मिलने से पेड़-पौधे और जंगली इलाके में झाड़ियों की भरमार हो जाती है। गर्मियों में झाड़ियां और घास फूस सूख कर आग लगने का माहौल तैयार कर देते हैं। प्राकृतिक रूप से जंगलों में लगने वाली आग से वहां के पेड़-पौधों को निपटने का तरीका मालूम है। कहीं पेड़ों की मोटी छाल बचाव का काम करती हैं, तो कहीं आग लगने के बाद भी जंगल को फिर से फलने-फूलने आता है। अफ्रीका के सवाना जैसे घास के मैदानों में बार-बार आग लगती रहती है, लेकिन घास-फूस जल्दी जलने से आग का असर जमीन के अंदर, जड़ों तक नहीं पहुंचता। यही वजह है कि आग खत्म होते ही मैदान फिर से हरे हो जाते हैं। अगर घास-फूस में आग नहीं लगेगी, तो इसके विशाल ढेर आगे चल कर बारूद का काम करते हैं ।हमारे देश के उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के जंगलों की आग के पीछे भी कुछ ऐसे ही कारण हैं। यहां के जंगलों में चीड़ की बहुतायत है। जब चीड़ की पत्तियों के ढेर ज्यादा लग जाते हैं, तो जंगलों में जरा-सी चिंगारी विशाल रूप ले लेती है। उत्तराखंड के जंगलों में लगी के पीछे यही तथ्य बताया जाता है कि वहां हर साल करोड़ों टन चीड़ की सूखी पत्तियां जमा हो जाती हैं। सूखे मौसम में चीड़ की पत्तियों के ढेर किसी कारण आग पकड़ते हैं, तो यह प्रायः अनियंत्रित हो जाती है ।जंगल की आग बुझाने के तीन तरीके विशेषज्ञ सुझाते हैं। पहला, मशीनों जंगलों की नियमित सफाई हो। सूखी पत्तियों और झाड़ियों को समय रहते हटाया जाए, लेकिन यह बेहद महंगा विकल्प है। दूसरा विकल्प यह सुझाया जाता है कि मानव आबादी के नजदीकी जंगलों में नियंत्रित ढंग से आग लगाई जाए, ताकि गर्म मौसम में वहां खुद कोई आग न भड़के। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में यही किया जा रहा है, लेकिन इसके लिए भी काफी संसाधन चाहिए। तीसरा है कि पर्वतीय इलाकों में पलायन रोक कर जंगलों पर आश्रित व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए। इससे जंगलों की साफ-सफाई होगी और आग खतरे भी कम होंगे। अमेरिका के जिस इलाके में इस बार आग फैली है, अमीरों ने वहां की प्राकृतिक सुंदरता पर रीझ कर अपने आलीशान घर बनाए हैं। मगर इन लोगों की कोई भूमिका जंगलों की साफ-सफाई में रहती होगी, इसकी कोई सूचना नहीं है ।जहां तक हमारे देश की बात है, यहां नीति निमार्ताओं और योजनाकारों ने जंगलों की आग की गंभीरता को ठीक से समझा नहीं है। इसलिए कहना मुश्किल है कि जंगल की आग को भड़कने से रोकने से संबंधित कोई भी तरीका उन्हें रास आएगा।

आतंकवाद भारत ही नहीं विश्व के लिए नासूर

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आज संपूर्ण विश्व की स्थिति अत्यंत नाजुक प्रतीत होती है। चारों ओर आतंकवाद और युद्धों के घने बादल मडरा रहे हैं। लोगों की आपसी मनमुटाव की बात तो गई गुजरी हो गई अब तो देशों के बीच मनमुटाव और वैरभाव के कारण आतंकवाद जैसी समस्या ने जन्म ले लिया है। आज की स्थिति में देशों के बीच मतभेद होने पर उस समस्या को शांतिपूर्वक सुलझाना छोड़ कर आतंकवाद का जाल फैला दिया जाता है।

हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान भी तो वर्षों से यही करता चला आ रहा है। भारत में आतंकवादी की जड़े वहीं से फैली हुई हैं। पंजाब, काश्मीर सहित पूरा देश इस जाल में फैला हुआ है। दूसरे के घर में उपद्रव पाकिस्तान भले ही फैला रहा है, पर इस प्रक्रिया में उसका अपना घर कितना कंगाल हो गया है। व्यापार वनिज उद्योग धंधे उत्पादन सभी कुछ सत्यानाश कर बैठा पाकिस्तान ने अपने ही हाथों। शायद उसे अब तक इसका होश नहीं आया है। वर्ना वह अपनी शैतानियत से कब का बाज आ चुका होता। अब स्थिति यह है कि ठीक पाकिस्तान के नक्शे कदम पर भारत के अहसानों को धता बताते हुए बांग्लादेश भी उसी राह पर चल निकला है। पडोस के ही एक अन्य देश श्रीलंका की स्थिति भी ₹लिट्टे₹ जैसी आतंकवादी संस्था से निपटते-निपटते काफी गंभीर हो चली। फिर उसके बाद कमजोर आर्थिक स्थिति ने उसे भी कंगाल कर दिया, वह तो भारत था जिसने उसे नाजुक स्थिति से उबारा। चूंकि भारत भी श्रीलंका की आंतरिक खराब स्थिति के दुष्प्रभाव से अछूता नहीं रह पाया। भारत के अत्यंत लोकप्रिय प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की हत्या लिट्टे (आंतकवादी संस्था) ने कर दी। उनका कुसूर नाम इतना था कि उन्होंने अपने पड़ोसियों के प्रति सहदयता दिखाई थी। आतंकवाद अब सामान्य जीवन के लिये अंतराष्ट्रीय चुनौती के रुप में उपस्थित है। विश्व क्षितिज पर आंतकवाद की काली छाया परमाणु युद्ध से भी ज्यादा भयानक है। जिसका शिकार भारत ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व भी बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक मनुष्य अपने व्यस्त जीवन के कुछ क्षण निकाल कर यह विचार करे कि आंतकवाद की जड़ें पनपने न पाएं, इसको पनपने से न जाने कितने बेगुनाह व्यक्तियों को असमय जान काल का ग्रास बन जाना पड़ रहा है। कितने मासूमों के ऊपर से मां बाप का ही साया उठ गया। ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना मनुष्य है। मनुष्य को बुद्धि प्रदान कर संवेदन शील प्राणी बनाकर शायद ईश्वर ने यही सोचा होगा कि वह धरती पर सुखसमृद्धि ,मानवता का प्रसार करेगा। प्रेम और स ?द्भाव से धरती को स्वर्ग का रूप प्रदान करेगा। पर यह बात विचारणीय है कि क्या आज मानव ईश्वर की अपेक्षाओं के अनुरुप चल रहा है....? इसका उत्तर नकारात्मक है। आज मानव आंतकवाद के साये से डरा हुआ है, सहमा हुआ है। समाज में आर्थिक असमानता भी आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। लोग अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये अनुचित साधनों का प्रयोग अनुचित ढंग से करते हैं इनकी अंधी दौड़ मानवता को विछिप्त बना रही है। धर्मान्धता और भाषा की विविधता भी इस समस्या को बढ़ाने में सहायक हो रही है। हमारे ही देश के उत्तर दक्षिण राज्यों में मात्र भाषा के नाम पर कई हिंसात्मक आंदोलन हुये हैं। विश्व के देशों में समन्वय की कमी दिन पे दिन बढ़ रही है। राष्ट्रसंघ जैसी संस्थाएं भले ही तीसरे विश्व युद्ध को रोके हुये हैं, पर ये संस्थाएं मानव की भावनाएं नहीं बदल पा रही है, जिससे पर आतंकवाद के साये में सासें लेने को मजबूर हो रहा है। जातिवाद, रंगभेद की नीति की आड़ में भी आतंकवाद को प्रश्नय मिल रहा है।

भारत में घुसने के लिए पार की नदी... फिर खरीदा सिम

सैफ अली खान के बांग्लादेशी हमलावर को लेकर नए खुलासे

- अभिनेता सैफ अली खान के हमलावर से पुलिस की पूछताछ
- सोमवार की रात पुलिस ने बांद्रा में पूरे सीन को किया रीक्रिएट
- पुलिस ने की जांच में खुलासा, नदी पार करके आया था भारत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः फिल्म अभिनेता सैफ अली खान के ऊपर हमला करने के आरोपी बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद भारत में कैसे घुसा था? इसका खुलासा हुआ है ।मुंबई पुलिस की जांच में सामने आया है कि बांग्लादेशी नागरिक सात महीने पहले अवैध रूप से देश में घुसा था और उसने मुंबई जाने से पहले सिम खरीदने के लिए पश्चिम बंगाल निवासी एक व्यक्ति के आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। यह भी जानकारी सामने आई है कि वह दावकी नदी पार करके अवैध रूप से भारत में घुसा था। संभावना व्यक्त की जा रही है कि पुलिस आगे की जांच के लिए उसे पश्चिम बंगाल भी ले जा सकती है, हालांकि पुलिस ने अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा है।दावकी रिवर एशिया की सबसे साफ नदी है। इसके पानी इतना साफ है कि काफी गहराई तक दिखता है। यह दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमा को छूती है ।कुछ हफ्ते बंगाल में रुकामुंबई पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपी पश्चिम बंगाल में कुछ हफ्ते रहा।

अजित पवार की चेतावनी- ढाई लाख से ज्यादा इनकम, तो लाडकी बहिन योजना महाराष्ट्र से खुद को कर लें बाहर, नहीं तो...

☞ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लड़की बहन योजना के लिए अहम बयान दिया, जिसमें 2.5 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय वाली महिलाओं से योजना से बाहर निकलने की अपील की। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष को दोहराते हुए, पात्र महिलाओं को 26 जनवरी से मासिक भत्ता मिलने की घोषणा की।

- अजित पवार ने लाडकी बहिन योजना को लेकर बयान
- 2.5 लाख से अधिक आय वालों को आवेदन वापस लेने को कहा
- महिलाओं के लिए 3700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लाडकी बहिन योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा 2.5 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय वाले लड़की बहन लाभार्थियों से स्वेच्छा से योजना से बाहर निकल जाएं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो उनके आवेदन निरस्त कर दिए जाएंगे। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील राजनीति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई और विभाजनकारी रणनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी भी दी। जालना में एनसीपी के जिला कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र हमेशा से प्रगतिशील विचारों और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। एनसीपी एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए दृढ़ता से खड़ी है। हम किसी को भी नफरत फैलाने या विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होने की अनुमति नहीं देंगे।'

'दागी छवि वालों से रहें दूर'

अजित पवार ने पार्टी कार्यकताओं से नए सदस्यों को शामिल करते समय पारदर्शिता सुनिश्चित करने और 'दागी छवि वाले व्यक्तियों को शामिल करने से बचने' का आग्रह किया।

सरकार ने जारि किए 3700 करोड़

अजित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए लड़की बहन योजना के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को 3,700 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने अयोग्य लाभार्थियों से स्वेच्छा से लाभ छोड़ने की अपील की।

26 जनवरी से मिलने लगेगी किश्त

पवार ने कहा, 'यह योजना आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए है। दुर्भाग्य से, आयकर दाखिल करने वाली महिलाएं भी इसका लाभ उठा रही हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे पीछे हटें ताकि सहायता जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके।' उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को 26 जनवरी से 1,500 रुपये मासिक भत्ता मिलना शुरू हो जाएगा।अजित पवार ने ईवीएम के खिलाफ उनके अभियान के लिए विपक्षी दलों पर कटाक्ष किया।

फास्ट ट्रैक

मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष में दिसंबर-2024 तक यात्री परिवहन और आय में प्रभावशाली वृद्धि हासिल की

मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष में दिसंबर 2024 तक यात्री परिवहन और आय में प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने इस वित्तीय वर्ष में दिसंबर-2024 तक यात्री आय के रूप में 5,570 करोड़ रुपये अर्जित किए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 5,400 करोड़ रुपये अर्जित किए थे, जो 3.15% की वृद्धि दशार्ता है ।दिसंबर-2024 तक उपनगरीय आय के माध्यम से 722 करोड़ रुपये अर्जित हुए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 684 करोड़ रुपये अर्जित हुए की थे, जो 5.50% से अधिक की वृद्धि है और दिसंबर-2024 तक गैर-उपनगरीय आय के माध्यम से 4,849 करोड़ रुपये अर्जित हुए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 4,717 करोड़ रुपये अर्जित हुए, जो 2.79% की वृद्धि को दशार्ता है ।यात्रियों की संख्या के संदर्भ में मध्य रेल ने इस वित्त वर्ष के दौरान दिसंबर-2024 तक 1202 मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाय, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 1174 मिलियन यात्रियों ने यात्रा की, जो 2.40% की वृद्धि दर्ज करता है।इसमें पिछले वर्ष 138 मिलियन गैर-उपनगरीय यात्रियों के मुकाबले इस वित्त वर्ष में 144 मिलियन गैर-उपनगरीय यात्री शामिल हैं, जो 4.30% से अधिक की वृद्धि है। इसमें इस वित्त वर्ष के दौरान 1058 मिलियन उपनगरीय यात्रियों ने यात्रा की, जबकि पिछले वर्ष 1036 मिलियन उपनगरीय यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया, जो 2% से अधिक की वृद्धि है ।विशेष रूप से, अकेले दिसंबर 2024 में, मध्य रेल ने 138 मिलियन यात्रियों (122 मिलियन उपनगरीय और 16 मिलियन गैर-उपनगरीय सहित) को ले जाया और 605 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया (जिसमें उपनगरीय आय के रूप में 84 करोड़ रुपये और गैर-उपनगरीय आय के रूप में 521 करोड़ रुपये शामिल हैं) ।मध्य रेल अपने सभी यात्रियों को सुरक्षित, किफायती, विश्वसनीय और कुशल यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पश्चिम रेलवे के सतर्कता विभाग ने जांच के दौरान लाल चंदन की तस्करी का भांडाफोड़ किया

मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर करीब 93 किलो लाल चंदन जब्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे की सतर्कता टीम ने हाल ही में रेलवे पार्सल परिवहन में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा बढ़ाने के एक ठोस प्रयास के दौरान मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर लाल चंदन की तस्करी का पता लगाया। एक विशेष जांच के दौरान ट्रेन द्वारा ले जाए जा रहे लाल चंदन की लकड़ी की तस्कारी का पता लगा ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कड़ी कार्रवाई जो 12 घंटे से अधिक समय तक चली, ट्रेन संख्या 12956 जयपुर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लीज पार्सल वैन पर केंद्रित थी।इस निरीक्षण के दौरान चार संदिग्ध पैकेज पाए गए और गहन जांच करने पर पैकेजों में लाल चंदन की लकड़ी के 15 लट्ठे पाए गए, जिनका वजन लगभग 93 किलोग्राम था।पहचान से बचने के लिए इस खेप को वैध पार्सल बुकिंग के तहत गलत तरीके से घोषित किया गया था। माल प्राप्तकर्ता को पकड़ लिया गया और अवैध माल के साथ-साथ अपराधी को आगे की जांच और कानूनी कार्यवाही के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया। लाल चंदन एक अत्यधिक मूल्यवान वस्तु है, जिसकी व्यापारिक गतिविधियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत प्रतिबंध है। इस अधिनियम को भारत सरकार ने वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा के लिए लागू किया था, ताकि देश की पारिस्थितिकी और पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित हो सके ।श्री विनीत ने आगे बताया कि रेलवे संसाधनों के किसी भी तरह के दुरुपयोग को गैरकानूनी गतिविधियों के लिए रोकने के लिए सतर्कता और सुरक्षा जांच की जाती है और इसे और भी तेज किया जाएगा। यात्रियों और हितधारकों से अनुरोध है कि वे सहयोग करें और रेल परिवहन में सुरक्षा और अखंडता बनाए रखने में मदद करने के लिए रेल अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना दें।

उपनगरीय रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा में बढ़ोतरी: नवाचार और चुनौतियाँ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

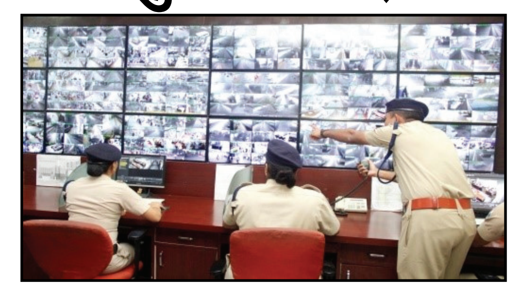

मुंबई, उपनगरीय रेलवे प्रणाली, प्रतिदिन लाखों यात्रियों को सेवा प्रदान करता है, जिसे अक्सर महानगरों की जीवन रेखा कहा जाता है और उपनगरीय कनेक्टिविटी की रीढ़ है। हालाँकि, इन नेटवर्कों का विशाल आकार और जटिलता महत्वपूर्ण सुरक्षा और संरक्षा चुनौतियाँ पेश करती है। उदाहरण के लिए, दुनिया के सबसे व्यस्ततम में से एक मुंबई उपनगरीय रेलवे नेटवर्क प्रतिदिन 7 मिलियन से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाता है, जिससे इसका सुरक्षित परिचालन बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। इन मुद्दों को हल करने में सबसे आगे रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) है, जो यात्रियों और रेलवे के बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध एक विशेष इकाई है। चुनौतियाँ बहुत बड़ी हैं, इसके बावजूद रेल सुरक्षा बल के अभिनव रणनीतियों और उन्नत तकनीकों को अपनाने से हमारे उपनगरीय यात्रियों के लिए सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में सराहनीय प्रगति हुई हैप्राथमिक चुनौती उपनगरीय रेलवे प्रणाली की अत्यधिक सघनता में निहित है। मुंबई के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क में पश्चिम रेलवे पर लगभग 35 लाख यात्री और मध्य रेलवे पर 37 लाख से अधिक यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं। इस स्तर की गतिविधि एक ऐसा वातावरण बनाती है जहाँ भीड़भाड़ अपरिहार्य है, खासकर पीक ऑवर्स के दौरान। भीड़भाड़ वाली ट्रेनें और प्लेटफॉर्म न केवल असुविधाजनक हैं; बल्कि वे पिकपॉकेटिंग, चेन स्नैचिंग और उत्पीड़न जैसे छोटे-मोटे अपराधों के लिए आसान जमीन तैयार करते हैं। इसके अलावा, यात्रियों के कीमती सामान छीनने के लिए धीमी गति से चलने वाली ट्रेनों का फायदा उठाने वाले फटका गिरोहों से जुड़ी घटनाएं समस्या को और बढ़ा देती हैं, जिससे अक्सर यात्री चलती ट्रेन से गिरकर घायल हो जाते हैं या उनकी मृत्यु हो जाती है ।महिला यात्रियों के लिए जोखिम और भी बढ़ जाता है। महिलाओं के लिए बने डिब्बों में भी भीड़भाड़ की स्थिति के कारण अक्सर उत्पीड़न, जेबकतरे और भावनात्मक संकट की घटनाएं होती हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न केवल सतर्क निगरानी की आवश्यकता है, बल्कि भीड़भाड़ और अपर्याप्त स्थान के व्यापक मुद्दों को हल करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास की भी आवश्यकता है। 2024 में, महिला डिब्बों में यात्रा करने वाले 13,000 से अधिक अपराधियों को पकड़ा गया और मुंबई उपनगरीय खंड पर 29 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला गया ।आतंकवाद हमेशा से ही एक खतरा और चिंता का विषय है। उपनगरीय रेलवे सिस्टम अपनी खुली पहुंच और यात्रियों की अधिक संख्या के कारण असुरक्षित हैं। 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट ऐसे हमलों की भयावह क्षमता की एक गंभीर याद दिलाते हैं। डिजिटल युग में अपराध की बदलती प्रकृति मामले को और जटिल बनाती है। टिकटिंग सिस्टम को निशाना बनाकर किए जाने वाले साइबर हमले, हिंसा भड़काने के लिए सोशल मीडिया का दुरुपयोग और अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल, सभी गतिशील और बहुआयामी सुरक्षा प्रतिक्रियाओं की मांग करते हैं। अतिक्रमण और अप्रिय घटनाएं एक और महत्वपूर्ण चुनौती पेश करती हैं। शहरी क्षेत्रों में जहां रेलवे ट्रैक आवासीय क्षेत्रों से गुजरते हैं, कई लोग पटरियों को पार करने या प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करने का सहारा लेते हैं। यह व्यवहार न केवल परिचालन को बाधित करता है बल्कि दुखद मौतों का कारण भी बनता है। 2024 में, 3500 से अधिक अप्रिय मामले (मृत्यु और चोट) दर्ज किए गए।

रेलवे सुरक्षा केवल आरपीएफ की जिम्मेदारी नहीं है। यह बल स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों, आतंकवाद निरोधक दस्तों और अन्य कानून प्रवर्तन संगठनों के साथ मिलकर काम करता है। हालांकि, इन एजेंसियों के बीच संचार में अंतराल और सुव्यवस्थित प्रोटोकॉल की अनुपस्थिति अक्सर सुरक्षा खतरों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया में बाधा डालती है। आतंकवादी हमलों या आपराधिक घटनाओं जैसे तेजी से विकसित होने वाली स्थितियों में समन्वय में देरी से स्थिति काफी खराब हो सकती है।

इन चुनौतियों के बावजूद, आरपीएफ ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई अभिनव उपाय शुरू किए हैं। इन प्रयासों में उन्नत तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्टेशनों और ट्रेनों में क्लोज्ड-सर्किट टेलीविजन कैमरे लगाने से निगरानी क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है। वास्तविक समय की निगरानी के साथ एकीकृत ये प्रणालियाँ आरपीएफ को संदिग्ध गतिविधियों का तुरंत पता लगाने और प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाती हैं। मुंबई उपनगरीय खंड पर, वर्ष 2024 में आरपीएफ द्वारा कुल 1924 मामलों का पता लगाया गया और 1955 अपराधियों को पकड़ा गया, जिनमें से 424 मामलों का पता सीसीटीवी की मदद से लगाया गया है जिसमें 438 अपराधियों को पकड़ा गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक ज्ञात अपराधियों और लापता व्यक्तियों की वास्तविक समय में पहचान की सुविधा देकर सुरक्षा को और बढ़ाती है। डिजिटल उपकरणों ने यात्रियों को अपनी सुरक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी सशक्त बनाया है। धोखाधड़ी से निपटने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए, कई उपनगरीय रेल नेटवर्क ने स्मार्ट टिकटिंग सिस्टम को अपनाया है। इनमें डिजिटल टिकटिंग, ई-भुगतान प्रणाली और संपर्क रहित कार्ड शामिल हैं, जो भौतिक टिकट काउंटरों की आवश्यकता को कम करते हैं और टिकटिंग से संबंधित आपराधिक गतिविधियों के अवसरों को सीमित करते हैं।

कलश यात्रा के साथ रामकथा शुरू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुम्बई ,जय श्री राम सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में नवी मुंबई के कोपर खैराने सेक्टर 19 के गणपति विसर्जन तालाब से कथा स्थल तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों महिलाएं कलश यात्रा में भाग लिया। रात में 7 से 10 बजे तक कोपर खैराने सेक्टर 1 से 4 के गार्डन में राम कथा चल रही है। त्रिदिवसीय राम कथा के आचार्य सुरेश रामायणी व्यास महाराज ने सरल भाषा में राम कथा सुनाई।

इसमें मुख्य अतिथि रहे पूर्व सांसद डा0 संजीव जी नाईक, नगरसेविका शैला शिंदे, समाजसेवी नारायण शिंदे कमलेश शर्मा कल्याण स्टेशन मास्टर देवानंद शर्मा उपस्थित रहे। त्रिदिवसीय राम कथा कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार रहे जय श्री राम सेवा फाउंडेशन के श्रीकांत ओझा संजय राय नागेश सिंह शशिकांत ओझा संजीव सिंह माला झा विशाल राय सुरेंद्र राय रमेश मिश्रा राजाराम सिंह संजय खरवार अमरेश शर्मा संजीव गुप्ता संजय पांडे सुनील गुप्ता विशाल दुबे सुमित गुप्ता रामकिशोर शर्मा विनय सिंह लल्लन शर्मा विपिन सिंह हरकेश सिंह रामकुमार चौधरी अवधेश यादव सुनील दुबे सुरेंद्र चौधरी नकुल श्रीवास्तव अखिलेश सिंह स्वतंत्र राय इत्यादि व्यवस्था में योगदान दिया।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और अहमदाबाद के बीच चलाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और अहमदाबाद स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्पेशल ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः ट्रेन संख्या 09461/09462 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल (2 फेरे)ट्रेन संख्या 09461 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल शनिवार, 25 जनवरी, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 05:35 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13:45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09462 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025 को अहमदाबाद से 20:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी ।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, दहानू रोड, वापी, वलसाड, उधना और वडोदरा स्टेशनों पर रुकेगी ।इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे ट्रेन संख्या 09461 एवं 09462 की बुकिंग 22 जनवरी, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

स्पेल बी प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय उठगी की वैष्णवी नें मारी बाजी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक स्तर पर भाषा संबंधी कौशलों के विकास पर बल दिया गया है। उक्त के दृष्टिगत विद्यार्थियों की शब्द लेखन में शुद्धता और लेख कार्य में गति के कौशल के विकास को प्रोत्साहित करने हेतु हिंदी भाषा में श्रुतलेख प्रतियोगिता तथा अंग्रेजी भाषा में कंप्लीट द स्पेलिंग(complete the spelling) प्रतियोगिता ब्लॉक संसाधन केंद्र कौड़िहार में आयोजित की गई। जिसमें विकास खण्ड के सभी प्राथमिक विद्यालयों, उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं संविलियन विद्यालय के 140 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता खंड शिक्षा अधिकारी क्षमा शंकर पांडे, एवं डायट प्रवक्ता अम्बालिका मिश्रा के निर्देशन में सम्पन्न कराई गई। ए0आर0पी0 विष्णु कुमार मिश्र ने प्रतियोगिता में शुचिता एवं निष्पक्षता बनाते हुए प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।अन्य ए आर पी प्रभाशंकर, अजमल अमीन अंसारी ने भी सहयोग प्रदान किया ।प्रतियोगिता दो वर्ग के लिए संपादित की गई। उच्च प्राथमिक वर्ग में उठगी की वैष्णवी द्विवेदी एवं कंपोजिट विद्यालय मारुफपुर की नवीनता द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं प्राथमिक वर्ग में कंपोजिट विद्यालय जगापुर की अर्पिता एवं प्राथमिक विद्यालय पूरे घासी की प्रियांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।उच्च प्राथमिक वर्ग के निर्णायक मंडल में सुधीर कुमार, वंदना, उषा पाण्डेय विनीत तिवारी एवं प्राथमिक वर्ग के निर्णायक मंडल में अर्चना, प्रियंका करवरिया, सुनीता गुप्ता, शालिनी सिंह, निशा मौर्य, अपर्णा, ज्योति, मिथिलेश चौरसिया आदि शामिल रहे।

सांस्कृतिक संध्या का हुआ आयोजन

देर शाम तक बही काव्य रसधार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुन्दरम फाउंडेशन, अंतू तथा अवधी साहित्य संस्थान, अमेठी के संयुक्त तत्वावधान में विचार गोष्ठी तथा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन ज्योतिषविद् पं. वेद प्रकाश तिवारी के अंतू स्थित कृपालम् आवासीय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवम्तिवारी ने किया ।विचार गोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. हेमराज मीणा (पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा ने की। दीप प्रज्वलन तथा कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बृजेश मिश्र 'सौरभ' ने किया। अंतू में स्थापित होगा शोध संस्थान उद्घाटन भाषण में बृजेश सौरभ ने कहा कि अवधी भाषा एवं साहित्य पर केंद्रित एक शोध संस्थान की स्थापना पं. हीरालाल छविराज कुंवरि महाविद्यालय अंतू में कराई जायेगी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक प्रो. हेमराज मीणा ने इस बात पर बल दिया कि अवध क्षेत्र के सांस्कृतिक विकास के लिए अवधी भाषा अकादमी की स्थापना अत्यंत आवश्यक है।। अवधी अवधी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष प्रो. अर्जुन पांडेय ने इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी आयोजन अवधी साहित्य महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अवधी भाषा के प्रति समर्पित रचनाशिल्पियों को सम्मानित किया जायेगा। जिससे अवधी भाषा के संरक्षण को एक नई दिशा मिल सकेगी। डॉ. शिवम् तिवारी ने कहा कि हिंदी साहित्य संवर्धन में युवा पीढ़ी को आगे आने की जरूरत है ।विचार गोष्ठी में डॉ. सीमा मिश्रा (लखनऊ), राजेश विक्रांत (पत्रकार, मुंबई), राकेश पांडेय (प्रभारी, नवभारत, ठाणे), ब्रिगेडियर राजेंद्र पांडेय (चंडीगढ़), डॉ. मनोज चंद तिवारी (पोरबंदर), शुभम् तिवारी (पत्रकार, मुंबई) ने अपने गंभीर और प्रेरणाप्रद विचार व्यक्त किए ।काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व पीसीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र पांडेय 'अवधी मधुरस' ने की। हरिनाथ शुक्ल 'हरि' (सुल्तानपुर), रामेश्वर सिंह 'निराश' (अमेठी), रामबदन शुक्ल 'पथिक' (अमेठी), सुरेशचंद्र शुक्ल 'नवीन' (अमेठी), जगदम्बा तिवारी (अमेठी), हीरेंद्र बहादुर सिंह (अंतू), अखिलेश मिश्र (अमेठी) ने सस्वर गीत तथा कविता वाचन किया। अंत में भजन तथा लोकगीतों की प्रस्तुति सुविख्यात कवि और अन्तरराष्ट्रीय लोक गायक राजेंद्र पांडेय ने की। कार्यक्रम का समापन सदर विधायक राजेंद्र मौर्य के आशीर्वचनात्मक भाषण से हुआ। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्जुन पांडेय ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिवम् तिवारी ने आभार व्यक्त किया। विचार गोष्ठी में अवधी भाषा संस्थान के उन्नयन पर गहनतापूर्वक विचार किया गया। इस अवसर पर पूर्व. जिला पंचायत सदस्य महेश मिश्र, नगर पंचायत अध्यक्ष संजय सोनी, पूर्व अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह, शिक्षक संघ अध्यक्ष राकेश सिंह, प्रो. अरविंद सिंह, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. अभिमन्यु पांडेय, एडवो. राज कुमार सिंह, डॉ. के के यादव, प्रबंधक राजेश कुमार सिंह, प्रबंधक संतोष तिवारी, सभासद देवेंद्र सिंह, शिक्षक चंद्रेश पांडेय, एडवो. प्रवीण द्विवेदी, शिक्षक कैलाश नाथ मौर्य, शिक्षक अशोक मिश्र, भाजपा अंतू मंडल उपाध्यक्ष महेश गुप्ता, दीपक गुप्ता, शिवराम मौर्य आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भ्रूण लिंग जांच का बड़ा खुलासा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बुलंदशहर, भ्रूण लिंग जांच के एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। हैरानी की बात यह है कि यह अवैध धंधा जिले की महिला सीएमओ डॉ. मंजू अग्रवाल के आवास से मात्र 50 मीटर की दूरी पर चल रहा था। मामले का खुलासा हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया, जबकि स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस मामले में पूरी तरह से बेखबर रहे। देर शाम को हरियाणा की टीम ने चंपा देवी हॉस्पिटल में छापेमारी की।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना सं : DRM-BRC 117 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए ओर उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या:** DRM-BRC 117 वर्ष 2024-25. **कार्य का नाम :** वडोदरा मंडल :- टीआरआर (पी) 43.053 टीकेएम और अन्य संबंधित ट्रैक नवीनीकरण कार्य सीनियर डीईएन दक्षिण बीआरसी के अधिकार क्षेत्र में। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) :** ₹4,23,24,535.35 **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में):** ₹3,61,600. 00 **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय :** निविदा 10.02.2025 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेब साइड विवरण और स्थान के लिए सूचना जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता जहां से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है:** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -4 **वेब साइट:** www.ireps.gov.in 277

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल्वे

E-TENDER NOTICE NO. DRM/S&T/PA/WKS/2025/01, DATED 17.01.2025

वरिष्ठ मंडळ सिग्नलिंग आणि दूरसंचार अभियंता, पुणे यांनी खालील कामांसाठी खुली ई निविदा आमंत्रित केली आहे. **1. ई-निविदा क्रमांक: CR-PA-SNT-WKS-T-2025-01:** "खडकी: च्या कामाच्या संदर्भात संपूर्ण पुणे विभागात दूरसंचार सुविधांची तरतूद आणि सीसीटीव्ही कव्हरेजमध्ये सुधारणा: खडकी स्टेशनच्या आरबीपीसी ट्रेन्स / EMU करिता अपसाईड मध्ये अतिरिक्त प्लॅटफॉर्मची तरतूद". **किंमत:** रु. 1,79,71,801.79. **बिड सिक्युरिटी (ईएमडी):** रु. 2,39,900/-. **पूर्ण करण्याचा कालावधी:** 12 महिने. **जमा करण्याची तारीख आणि वेळ:** 27.01.2025 पासुन 10.02.2025 रोजी 15.00 वाजे पर्यंत. **बंद होण्याची तारीख आणि वेळ:** 10.02.2025 रोजी 15:00 वाजता. **उघडण्याची तारीख आणि वेळ:** 10.02.2025 रोजी 15:30 नंतर. **2. ई-निविदा क्रमांक: CR-PA-SNT-WKS-T-2025-02:** पुणे विभागातील सर्व विभागांमध्ये व्हीओआईपी आधारित ट्रेन कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टमचा पुरवठा, स्थापना, चाचणी आणि कार्यान्वित करणे. **किंमत:** रु. 3,20,76,666.99. **बिड सिक्युरिटी (ईएमडी):** रु. 3,10,400/-. **पूर्ण करण्याचा कालावधी:** 12 महिने. **जमा करण्याची तारीख आणि वेळ:** 03.02.2025 पासुन 17.02.2025 रोजी 15.00 वाजे पर्यंत. **बंद होण्याची तारीख आणि वेळ:** 17.02.2025 रोजी 15:00 वाजता. **उघडण्याची तारीख आणि वेळ:** 17.02.2025 रोजी 15:30 नंतर. अधिक तपशीलांसाठी कृपया आमच्या www.ireps.gov.in या संकेतस्थळाला भेट द्या.

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे DE-41

बांग्लादेशी मजदूर मिलने पर श्रमिक ठेकेदारों की जांच की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मेट्रो परियोजना में काम करने वाले मजदूरों की कॉलोनी में बांग्लादेशी नागरिकों के पाए जाने के मद्देनजर मेट्रो परियोजना के श्रमिक ठेकेदारों की जांच की जानी चाहिए।इसी के साथ ही भाजपा के पूर्व गट नेता मनोहर डुंबरे ने पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे को एक ज्ञापन देकर ठाणे शहर में इमारतों और परियोजनाओं के निर्माण पर मजदूरों के दस्तावेजों की जांच करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले के आरोपी को हीरानंदानी एस्टेट में मेट्रो परियोजना के निर्माण स्थल पर गिरफ्तार किए जाने की खबर चौंकाने वाली है, जबकि ठाणे के नागरिक परेशान हैं। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से भाजपा का प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और उन्हें इस आशय का ज्ञापन दिया।इस अवसर पर भाजपा विधायक निरंजन डावखरे, पूर्व गट नेता नारायण पवार, भाजपा शहर उपाध्यक्ष रमेश आंबरे उपस्थित थे।ठेकेदार मिलन इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी के गणेश घोलप मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।इस स्थान पर श्रमिक उपलब्ध कराने वाले ठेकेदारों के बारे में पूछताछ करें और श्रमिकों का विस्तृत विवरण जांचें।डुंबरे ने एक बयान के माध्यम से मांग की है कि ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में श्रमिक ठेकेदारों की जांच की जानी चाहिए और आधार कार्ड, ग्राम पंचायत प्रमाण पत्र, घरपट्टी रसीद, स्थानीय राशन कार्ड आदि दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए।रविवार को पूर्व भाजपा सांसद किरीट सोमैया के साथ बस्ती के दौरे के दौरान पता चला कि मजदूरों के पास केवल आधार कार्ड ही उपलब्ध थे। उन्होंने कहा है कि अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में कुछ गिरोहों द्वारा बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड मुहैया कराये जाने का पता चला है। बयान में कहा गया है, इसलिए मामले को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

उल्हासनगर में युवा स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रांतिकारी नेता अमर शहीद हेमू कालाणी का शहीदी दिवस मनाया गया

हेमू कालाणी जैसे वीर पुरुष देश के धरोहर और प्रेरणा स्त्रोत हैं-जगदीश तेजवानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. भारत माता के सच्चे सपूत और सिंध के अमर शहीद स्वात्रंत्य वीर, युवा क्रांतिकारी और 19 वर्ष की अल्पायु में ही भारत माता की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर करने वाले अमर शहीद हेमू कालाणी के शहीदी दिवस 21 जनवरी के अवसर पर उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन ने स्थानीय फाउंटेन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी के नेतृत्व में आदरांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें अमर शहीद हेमू कालाणी को याद किया गया और उनके योगदान को सराहा गया। इस अवसर पर सिंधु यूथ सर्कल के सुंदर डंगवानी, वीटी प्रोडक्शन के दीपक वाटवानी, न्यू इंग्लिश स्कूल के प्रकाश गुरनानी, सिंधु राजपाल, परमानंद गेरेजा, मधु चेतवानी, सिंधु सपूत वधयों गजवानी, कुलदीप अयाल सिंघानी, अजय चिमनानी, ठाकुर चांदवानी आदि गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों आदि ने शहीद हेमू कालाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सिंध के सख्खर क्षेत्र के युवा क्रांतिकारी हेमू कालाणी ने अपने 19 वर्ष के अल्प जीवनकाल में ही भारत माता की अद्वितीय सेवा की। अंग्रेजों के विरुद्ध 1942 के गांधीजी द्वारा चलाए गए भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने सक्रिय योगदान दिया। अंग्रेजों भारत छोड़ो के उद्घोष के साथ उनका तीव्र विरोध किया। 1942 में ब्रिटिश हुकूमत की हथियारों से भरी रेलगाड़ी को लूटने के प्रयास में ये पकड़े गए, और अंग्रेजों ने उन्हें फांसी की सजा सुनाई। अंग्रेजो ने उन्हें अपने साथियों के नाम जाहिर करने पर फांसी की सजा माफ करने का आश्वासन भी दिया लेकिन उन्होंने साफ कहा कि वो ऐसी गद्दारी नहीं कर सकते हैं। अतः 21 जनवरी 1943 को भारत माता के इस लाल को फांसी दे दी गई।भारत का गौरवशाली इतिहास हेमू कालाणी जैसे महान लोगों का सदा स्मरण कराता रहेगा।

फास्ट ट्रैक

परीक्षाओं में नकलमुक्ति के लिए जिले में जन जागरूकता सप्ताह

ठाणे ,कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा को नकलमुक्त एवं भयमुक्त बनाने के लिए ठाणे जिले में 20 जनवरी से 26 जनवरी तक जनजागृति सप्ताह चलाया जा रहा है।जिलाधिकारी अशोक शिनगारे और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने अभियान को सफलतापूर्वक लागू करने की अपील की है क्योंकि इससे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और छात्रों को एक नई दिशा मिलेगी। इस परीक्षा में ठाणे जिले के 10वीं कक्षा के 1 लाख 3 हजार 718 विद्यार्थी और 12वीं कक्षा के 1 लाख 21 हजार 244 विद्यार्थी कुल 02 लाख 24 हजार 962 विद्यार्थी भाग लेंगे। परीक्षा केन्द्रों पर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बढ़ेगी। शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) ललिता दहितुले ने बताया कि नकल मुक्त परीक्षा के लिए 20 से 26 जनवरी तक जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से स्थानीय जन-प्रतिनिधियों, विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों, गांव के गणमान्य नागरिकों एवं माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों एवं प्राचार्यों, शिक्षकों की संयुक्त सभा में विद्यालय स्तर पर नकल मुक्त अभियान के क्रियान्वयन की जानकारी दी जायेगी। आज, मंगलवार 21 जनवरी को परिपथ के दौरान सभी स्कूलों में नकल मुक्त अभियान की शपथ ली गई।बुधवार को 22 जनवरी को विद्यालय स्तर पर मण्डल शिक्षा सूची का वाचन किया जायेगा। गुरुवार 23 जनवरी को स्कूलों में परीक्षा के दौरान छात्रों के खान-पान और स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में विशेषज्ञ के माध्यम से अभिभावकों और छात्रों का मार्गदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को 24 जनवरी को परीक्षा की तैयारी, तनाव मुक्त माहौल में परीक्षा कैसे दें, उत्तर पुस्तिकाएं कैसे लिखें, इसका मार्गदर्शन किया जाएगा। शनिवार 25 जनवरी, रविवार को नकल मुक्त अभियान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूल परिसर में नकल मुक्त नारों के साथ जागरूकता रैली निकलेगी। 26 जनवरी को ग्राम सभा की बैठक में प्रधानाध्यापक, शिक्षक नकल मुक्त अभियान के संबंध में उपरोक्त विषय की जानकारी देंगे और इसके बारे में जन जागरूकता पैदा करेंगे तथा ग्रामीणों से नकल मुक्त वातावरण में परीक्षा कराने की अपील करेंगे।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय परिषद सदस्य शर्मा से मिलकर विधायक ने लिया आशीर्वाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विधायक हरि भोये, अपनी पत्नी के साथ मंगलवार को वरिष्ठ भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश शर्मा से मुलाकात कर ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा किया। शर्मा ने ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों के अपने अनुभव को साझा करते हुए मार्गदर्शन किया । भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश शर्मा ठाणे शहर में रहकर ठाणे ,पालघर संयुक्त जिले के ग्रामीण आदिवासी इलाके को अपना कार्य क्षेत्र बनाकर वहां के विकास के लिए कार्य किया जिससे ग्रामीण इलाकों में उनका सम्मानपूर्वक स्थान है।बगैर किसी चुनावी अभिलाषा के उन्होंने आदिवासी ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्म स्थली बना लिया।यहीं नहीं भाजपा के पूर्व सांसद एड चिंतामन वनगा और पूर्व मंत्री विष्णु सावरा के चुनाव में अहम भूमिका निभाते रहे । पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों से प्रभावित होकर निस्वार्थ सेवा करते रहे। आज विधायक हरि भोये अपनी धर्मपत्नी के साथ शर्मा से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार एस रामकृष्णन और पूर्व डीएसपी संजय धूमल आदि लोग उपस्थित रहे।

लोगों के बीच सम्मान पैदा करने के लिए भाषा एक महत्वपूर्ण साधन है : अच्युत पालव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,यदि हम भाषाओं और लोगों के प्रति सम्मान विकसित करना चाहते हैं, तो हमें अच्छा लिखना, अच्छा पढ़ना और अच्छा बोलना आना चाहिए।जो इसे प्राप्त कर लेता है वह विभिन्न भाषाओं का आनंद ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध सुलेखक अच्युत पालव का दावा है कि लोगों के बीच सम्मान पैदा करने के लिए भाषा एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

मराठी भाषा संरक्षण पखवाड़े के अवसर पर उन्होंने इस आशय का उद्गार व्यक्त किया है।इससे पहले अच्युत पालव को अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी ने सम्मानित किया। इस समय अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त (सूचना व जनसंपर्क) उमेश बिरारी व अन्य उपस्थित थे।ठाणे मनपा ने मराठी भाषा संवर्धन पखवाड़े के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है। सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुलेखक अच्युत पालव द्वारा सुलेख प्रदर्शन कार्यक्रम नरेंद्र बल्लाल सभागार में आयोजित किया गया। मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें सहज प्रतिक्रिया दी। पालव ने अपनी विशिष्ट शैली में मराठी शब्दों के विभिन्न भ्रमों को दर्शाया। उन्होंने सुलेख के लिए आवश्यक उपकरण, पेन, रंगों के बारे में मार्गदर्शन दिया। सुलेख में सीधी रेखाओं का अभ्यास किसी के मन में तनाव को दूर करने के लिए है, जो दो लोगों के बीच की दूरी के बारे में जागरूकता दर्शाता है। पालव ने बताया कि अनुशासन और एकाग्रता सुलेख में आकार बनाते हैं। सुलेख के माध्यम से मराठी अक्षरों, नामों, गीतों की पंक्तियों का एहसास हुआ।दर्शकों ने इस पर जोरदार प्रतिक्रिया दी।

खादी ग्रामोद्योग में रोजगार के सुनहरे अवसर

शिवगढ़ में जागरूकता शिविर, 55 युवाओं को मिली स्वरोजगार की जानकारी

रायबरेली, उत्तर प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड ने रायबरेली जिले के शिवगढ़ ब्लॉक सभागार में विकास सहायता योजना के तहत एक महत्वपूर्ण जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं से अवगत कराना था। शिविर में 55 प्रतिभागियों को खादी उद्योग के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रतिभागियों को खादी उत्पादों के निर्माण, विपणन और वित्तीय सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से परिचित कराया गया।यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में जिला ग्राम उद्योग अधिकारी संतोष कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी आनंद कुमार, एडीओ आईएसबी धनेंद्र सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

एकता कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के निवासियों द्वारा पुराणिक बिल्डर के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , वर्तकनगर में एकता सहकारी हाउसिंग सोसायटी के निवासियों ने पुराणिक बिल्डर्स के कार्यालय के सामने मौन रहकर सार्वजनिक रूप से पुराणिक बिल्डर्स के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।उनका कहना है कि पुराणिक बिल्डर्स ने 40 सदस्यों का 9 करोड़ बकाया नहीं चुकाया है, मकानों का कब्जा देने के 27 महीने बाद तक मकानों की रजिस्ट्री नहीं की गई है। पंजीकृत अनुबंध के अनुसार कोई काम पूरा नहीं किया गया है, इन सदस्यों ने सार्वजनिक रूप से बैनर लहराकर पुराणिक बिल्डर्स का विरोध किया।एकता को-ऑपरेटिव को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा पुराणिक बिल्डर्स के खिलाफ ठाणे कोर्ट में केस चल रहा है। इसकी तिथि मंगलवार, 21 जनवरी 2025 थी उस समय सभी सदस्य कोर्ट में मौजूद थे। और उसके बाद वे वर्तकनगर स्थित पुराणिक बिल्डर्स के कार्यालय पर एकत्र हुए और बिना किसी घोषणा के सिर्फ बैनर लहराकर विरोध प्रदर्शन किया।

भारतीय संविधान के कारण भारत की वैश्विक स्तर पर

शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में पहचान - सभापति प्रो. राम शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , भारत ने वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में पहचान हासिल की है।यह हमारे संविधान द्वारा रखी गई मजबूत नींव के कारण संभव हो पाया है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाना, सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करना, संसद और राज्य विधानसभाओं की प्रतिष्ठा बनाए रखना और लोककल्याण के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना हमारी मुख्य जिम्मेदारियां होनी चाहिए, ऐसा महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे ने कहा।वे पटना में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की अध्यक्षता में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में बोल रहे थे।इस सम्मेलन में भारतीय संविधान के 75 वर्षः संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने में संसद और राज्य विधानसभाओं का योगदान विषय पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।अपने विचार व्यक्त करते हुए सभापति प्रो. शिंदे ने कहा कि हमारा संविधान पर्याप्त रूप से लचीला है और यह लगातार अधिक सशक्त होता जा रहा है।हमारी संसदीय लोकतंत्र प्रणाली ने संविधान की इस शक्ति के कारण ही विभिन्न संकटों का सफलतापूर्वक सामना किया है।उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने संविधान संशोधन के संदर्भ में जानबूझकर गलत धारणाएं फैलाने का प्रयास किया, लेकिन हाल के चुनावों में जनता ने ऐसे प्रयासों को खारिज कर सही जनादेश दिया है।लोकतंत्र में स्वतंत्रता, समानता और बंधुता इन तीन मूल्यों का अत्यधिक महत्व है।इनमें से किसी एक को छोड़कर दूसरे का विचार करना संभव नहीं है।ऐसा करने पर लोकतंत्र की मूल संकल्पना को हानि पहुंचेगी, यह बात भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान सभा के समक्ष अपने भाषण में कही थी।इस सावधानी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए सभापति प्रो. शिंदे ने सभी से इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आवाहन किया।उन्होंने कहा कि समावेशिता और सभी के लिए समान अवसर की उपलब्धता हमारे संविधान की प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिना किसी राजनीतिक या आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवार से आने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी उल्लेखनीय कार्यक्षमता के बल पर देश को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य किया है और लगातार तीसरी बार योगदान दे रहे हैं। यह स्वयं में हमारे संवैधानिक ढांचे की मजबूती का एक ज्वलंत उदाहरण है।सभापति प्रो. शिंदे ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की संसदीय यात्रा का प्रारंभ तत्कालीन बॉम्बे विधान परिषद के सदस्य के रूप में हुआ था, और यह हमारे लिए गर्व की बात है।उन्होंने पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर को भी याद किया, जिन्होंने अपने अद्वितीय शासन के माध्यम से लोककल्याणकारी राज्य की संकल्पना को साकार किया।

उल्हासनगर शिवसेना शहर प्रमुख राजेंद्र सिंह भुल्लर ने मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से अपनी मांगों को लेकर शिष्टाचार भेंट की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. शिवसेना शहर प्रमुख राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज ने मंगलवार 21 जनवरी को उल्हासनगर मनपा की नवनियुक्त आयुक्त आईएएस अधिकारी मनीषा आव्हाले से अपनी मांगो को लेकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। शिवसेना शहर प्रमुख भुल्लर महाराज ने मनपा आयुक्त से मांग रखी कि कल्याण और शहाड़ के बीच बनने वाली रेलवे की तीसरी और चौथी नई लाइन बनने से वहां रहने वाले लोगों के घर और दुकानें आदि प्रभावित हो रहे हैं। अतः उनके पुनर्वास और उनको आर्थिक सहायता प्रदान करने को लेकर शासन स्तर पर व्यवस्था करने और उनकी बात रखने की मांग की।इसी के साथ साथ वार्ड नंबर 3 और शहर के अन्य क्षेत्रों में चल रहे लंबित विकास कार्यों पर भी मनपा आयुक्त से विस्तृत चर्चा की गई। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और शहर के विकास कार्यों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर जाहिर किया। इस अवसर पर स्थानीय शिव सेना समन्वयक महाराष्ट्र राज्य तिरूपति रेड्डी, पूर्व नगरसेवक जफर अली चौधरी, शिव सेना उप शहर प्रमुख जीतू उपाध्याय, शिव सेना विभाग प्रमुख विनोद सालेकर, उप विभाग प्रमुख प्रमोद पांडे, राजू सालवी, उत्तर भारतीय उप सभा संयोजक रामकृपाल यादव, शाखा प्रमुख राम कुम्हार, सुमीत सिंह, राय साहब यादव, रिंकू शर्मा, शिव सेना उप शाखा प्रमुख सतीश पांडे, समाज सेवी साबिर शेख, समाज सेवी विजय ओझा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंबरनाथ पश्चिम विभाग के अध्यक्ष विशाल गायकवाड प्रशासन से अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना अंबरनाथ पश्चिम विभाग के अध्यक्ष विशाल गायकवाड ने प्रशासन से अपनी अनेक मांगों को लेकर अंबरनाथ तहसील कार्यालय के बाहर 21 जनवरी मंगलवार से आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के जिला अध्यक्ष धनंजय गुरव, मनसे के शहर संगठक यूसुफ शेख की प्रमुख उपस्थिति में अंबरनाथ पश्चिम विभाग के अध्यक्ष विशाल गायकवाड ने कल्याण बदलापुर रोड पर स्थित धोखादायक बिजली के खंभों को 15 दिन के अंदर हटाने, इन धोखादायक बिजली के खंभों से टकराकर दुर्घटना में मरने वाले रिक्शा चालकों को आर्थिक सहायता देने और उनके बच्चों को भरण पोषण और स्कूली शिक्षा की व्यवस्था करने, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध एसआईटी की जांच करके उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने जैसे अन्य अनेक मुद्दों और विशेषकर अंबरनाथ पश्चिम के केबी रोड पर शास्त्री स्कूल के पास बिजली के खंभे से टकराकर रिक्शा चालक मुहम्मद आरिफ उस्मान शेख की अभी हाल ही में दुर्घटना में हुई मृत्यु की पृष्ठभूमि पर आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठेंगे।इस अवसर पर विद्यार्थी सेना के शहर सचिव मनीष भोईर, विद्यार्थी सेना शहर संगठक ज्ञानेश्वर सालवी, शाखा अध्यक्ष ईश्वर धनंजय, सदस्य किरण गवड़े, मकबूल खान, चांद मुहम्मद शेख आदि उपस्थित थे

नाबालिग बेटी प्रेमी संग फरार :जलालाबाद में 70 हजार रुपए और जेवरात लेकर भागी

पिता की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जलालाबाद, क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। घटना बुधवाना रोड स्थित एक गांव की है, जहां 16 वर्षीय किशोरी भैंसों को चारा डालने के बहाने घर से निकली और पड़ोस के एक युवक के साथ भाग गई। पीड़ित पिता की शिकायत के अनुसार, उनकी बेटी अपने साथ 70,000 रुपये नकद, सोने का पेंडल और चांदी की एक जोड़ी पायल भी ले गई है। पिता दिल्ली में मजदूरी का काम करते हैं और घटना की सूचना मिलने पर वह गांव लौटे। मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़ित पिता ने आरोपी युवक अरविंद और उसके पिता हरीशंकर से संपर्क किया। लड़की को वापस मांगने पर दोनों ने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।पुलिस ने पिता की शिकायत पर तत्काल मामला दर्ज कर लिया है और नाबालिग किशोरी की तलाश में जुटी हुई है। आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है।

मोबाइल चेक करने से नाराज युवक ने की आत्महत्या

20 साल के युवक ने शर्ट से फंदा बनाकर लगाई फांसी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना पुवायां क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कटका गांव में दिलासाराम के घर दावत के दौरान उनके 20 वर्षीय बेटे उमेश चंद्र ने शर्ट से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।घटना के पीछे का कारण मोबाइल फोन की जांच को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है।परिजनों के अनुसार, दावत के दौरान किसी ने उमेश का मोबाइल फोन लेकर चेक किया था।इससे नाराज होकर वह वहां से चला गया और कुछ देर बाद घर के अंदर बांस से शर्ट का फंदा बनाकर लटक गया। जब परिवार के सदस्य उस जगह पहुंचे, तो उन्हें उमेश का शव फंदे पर लटका मिला। थाना प्रभारी हरपाल सिंह बालियान ने पुष्टि की कि मोबाइल चेक करने को लेकर हुए विवाद के बाद युवक ने यह कदम उठाया।हालांकि, परिवार ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने बताया कि तहरीर प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एबीवीपी का प्रदर्शन:सरस्वती ज्ञान मंदिर के प्रबंधक का पुतला फूंका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जलालाबाद, शाहजहांपुर के जलालाबाद में सरस्वती ज्ञान मंदिर विद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।मंगलवार दोपहर 2 बजे छात्र नेता संजय गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्य चौराहे पर एकत्र होकर विद्यालय प्रबंधक भूपेंद्र सिंह का पुतला दहन किया।

एबीवीपी के छात्र नेता संजय गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पिटार मऊ स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर में कई नियम-विरुद्ध गतिविधियां चल रही हैं। विद्यालय को केवल कक्षा 8 तक की मान्यता प्राप्त है, लेकिन वहां कक्षा 12 तक की पढ़ाई करवाई जा रही है। इतना ही नहीं, एक ही नाम से दो अलग-अलग विद्यालय चलाए जा रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विधायक निधि से प्राप्त धनराशि का दुरुपयोग किया गया है।

एक विद्यालय के लिए स्वीकृत राशि को दूसरे विद्यालय में लगाया गया। शिक्षा की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि विद्यालय में कोई भी शिक्षक बी.एड. योग्यता धारी नहीं है। इसके अलावा, स्कूल की बिल्डिंग अधूरी है और कक्षाओं में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाया जाता है। छात्र संगठन ने सरकार से इन अनियमितताओं की जांच करवाने और दोषी प्रबंधक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनते ही बाइडेन के 78 फैसले पलटे

यूक्रेन जंग पर बोले- पुतिन कोई डील नहीं करके रूस को बर्बाद कर रहे

एजेंसी

वॉशिंगटन, डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10:30 बजे अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में पद की शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जॉन रॉबर्ट्स ने उन्हें शपथ दिलाई। यह उनका दूसरा टर्म है। वे 2017 से 2021 तक अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति रह चुके हैं। ट्रम्प की शपथ के दौरान पत्नी मेलानिया बाइबिल लेकर खड़ी रहीं। शपथ के बाद कुछ देर तक संसद का कैपिटल रोटुंडा हॉल तालियों से गूंजता रहा। अपनी स्पीच में ट्रम्प ने कहा कि भगवान ने अमेरिका को महान बनाने के लिए उन्हें बचाया। इससे पहले जेडी वेंस ने अमेरिका के 50वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ट्रम्प ने शपथ के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता न करके रूस को तबाह कर रहे हैं। मुझे लगता है कि रूस बड़ी मुसीबत में पड़ने वाला है। उन्हें समझौता करना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि रूस एक तरह से बड़ी मुसीबत में है। आप उनकी इकोनॉमी पर नजर डालें, उनकी महंगाई दर को देखिए। मैं पुतिन के साथ बहुत अच्छा रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि वह यूक्रेन जंग को खत्म करने को लेकर डील करना चाहेंगे। ट्रम्प ने चुनावी अभियान के दौरान वादा किया था कि वे शपथ लेने के अगले दिन ही रूस-यूक्रेन जंग खत्म कराएंगे। इस वादे को लेकर जब ट्रम्प से पत्रकारों ने सवाल पूछा तो उन्होंने कहा- मेरे पास अभी भी आधा दिन बाकी है (मजाकिया अंदाज में)। फिर उन्होंने

कहा कि वे इसे जल्दी ही समाप्त करना चाहते हैं। ट्रम्प ने कहा कि पुतिन ने सोचा था कि वे एक हफ्ते में यूक्रेन को जीत लेंगे। लेकिन अब ये तीसरे साल में एंटर करने को लेकर है। यह बिल्कुल अच्छा नहीं है। पुतिन इससे खुश नहीं होंगे। ट्रम्प ने कहा कि उनके पास डेटा है कि जंग में लगभग 10 लाख रूसी सैनिक मारे गए हैं। वहीं 7 लाख यूक्रेनी सैनिक मरे हैं। रूस बड़ा है। उनके पास खोने के लिए ज्यादा सैनिक हैं लेकिन देश चलाने का यह कोई तरीका नहीं है। ट्रम्प बोले- अमेरिका को फिर महान बनाएंगे शपथ के बाद ट्रम्प ने 30 मिनट तक देश को संबोधित किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा, 'अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू हो रहा है। इस दिन से हमारा देश फिर समृद्ध होगा और पूरी दुनिया में इसका सम्मान किया जाएगा। मैं बहुत ही सरलता से अमेरिका को सबसे पहले रखूंगा। हमारी सुरक्षा बहाल होगी। न्याय के तराजू को फिर संतुलित किया जाएगा। हम फिर से अमेरिका को महान बनाएंगे।' पहले भाषण में ट्रांसजेंडर की मान्यता खत्म करने की बात कही ट्रम्प ने शपथ के बाद की स्पीच में कहा- मैं सभी सरकारी सेंसरशिप को तुरंत रोकने और अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी को वापस लाने के लिए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करूंगा। आज से अमेरिका सरकार की आधिकारिक नीति होगी कि सिर्फ दो जेंडर होंगे- पुरुष और महिला। यानी ट्रांसजेंडर को मान्यता नहीं मिलेगी। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर सबसे आगे की पंक्ति में बैठे नजर आए। उनके दाएं इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग तीसरी पंक्ति को तीसरी कतार में जगह मिली। ऑस्ट्रेलिया, भारत के साथ क्यूयूएडी देशों का मेंबर है। विक्ट्री परेड में कहा- ट्रम्प इफेक्ट से हमास युद्ध रुका, स्टॉक मार्केट चढ़ा शपथ से पहले दिन में निकाली गई विक्ट्री परेड में ट्रम्प बोले-चुनाव में जीत के ढाई महीने के बाद ही अंतर दिखने लगा है। इसे ट्रम्प इफेक्ट करार देते हुए उन्होंने कहा, इजराइल-हमास युद्ध विराम हो चुका है। अमेरिका के स्टॉक मार्केट में उछाल है।

तुर्किये के रिसॉर्ट में आग से 66 की मौत

11वीं मंजिल से चादरों की रस्सी बनाकर उतरे लोग, 51 लोग घायल

एजेंसी

अंकारा, तुर्किये के बोलू राज्य में स्थित कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट में मंगलवार को आग लगने से 66 लोगों की मौत हो गई। आग से घबराकर कई लोग 11वीं मंजिल से कूद पड़े। इससे कई घायल हो गए और कई की मौत हो गई। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक आग लगने के बाद भगदड़ मच गई थी। अधिकारियों के मुताबिक होटल में आग स्थानीय समयानुसार रात में करीब 3:30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक मंगलवार सुबह 6 बजे) लगी थी। इसने 11 मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। तुर्किये के अखबार डेली सबाह के मुताबिक कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट एक चट्टान पर है। इसकी वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को वहां तक पहुंचने में बहुत मुश्किलें आईं और राहत कार्यों में देर हुई। बोलू के गवर्नर अब्दुल अजीज आयडिन ने बताया कि इस होटल में 234 मेहमान ठहरे हुए थे। 30 दमकल गाड़ियां और 28 एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने आग पर काबू पाने के लिए 267 इमरजेंसी वर्कर्स को भी तैनात किया है। रिपोर्ट के मुताबिक तुर्किये के पर्यटन और स्वास्थ्य मंत्री हादसे वाली जगह के लिए रवाना हो चुके हैं। तुर्किये में स्कूल की छुट्टियां चल रहीं कार्तलकाया इस्तांबुल शहर से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व में कोरोग्लू पहाड़ों पर स्थित एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट है। इस वक्त तुर्किये में स्कूल सेमेस्टर की छुट्टियां चल रही हैं। इस वजह से यहां मौजूद सभी होटलों में काफी ज्यादा भीड़ है। एहतियात के तौर पर इस इलाके के अन्य होटलों को खाली करा लिया गया है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन ने कहा कि इस हादसे के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच शुरू हो गई है। दोषियों को सजा देने के लिए हर जरुरी कदम उठाए जाएंगे।

ट्रम्प की शपथ में मस्क ने हिटलर जैसा सैल्यूट किया

सोशल मीडिया पर छिड़ा विवाद; स्वागत समारोह में ट्रम्प तलवार लेकर मेलानिया के साथ नाचे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी मीडिया और सोशल मीडिया पर इलॉन मस्क पर नाजी सैल्यूट करने के आरोप लग रहे हैं। सोमवार को डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद हुई रैली में मस्क शामिल हुए थे। मस्क ने मंच से भाषण भी दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों को सैल्यूट किया। मस्क ने अपने भाषण के दौरान कहा- यह कोई आम जीत नहीं है। यह बहुत ज्यादा मायने रखती है। आपने इसे संभव किया है। इसके लिए आपका धन्यवाद। बहुत शुक्रिया। यह कहते हुए मस्क अपना दाहिना हाथ अपने सीने तक लाए और उसे बाहर की ओर फैलाया। इंटरनेट पर मस्क के इस जेस्चर को नाजी सैल्यूट से कंपेयर किया जा रहा है। हिटलर ने इस सैल्यूट का इस्तेमाल 1933 से 1945 तक तीसरे राइख (तीसरा जर्मन साम्राज्य) के दौरान किया था। सेना के स्वागत समारोह में शामिल हुए ट्रम्पः तलवार लेकर नाचे; मेलानिया के साथ कपल डांस भी किया डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद सेना के कमांडर-इन-चीफ के स्वागत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान ट्रम्प तलवार लेकर नाचते हुए नजर आए। उन्होंने तलवार से केक भी काटा। ट्रम्प की पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी उनके साथ पहुंचीं। मंच पर पहुंचने के बाद दोनों ने डांस भी किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस भी इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। यहां तीन कार्यक्रम लिबर्टी बॉल, कमांडर-इन-चीफ बॉल और स्टारलाईट बॉल हुए। लिबर्टी बॉल के दौरान ट्रम्प ने सभी सैन्य कर्मियों को धन्यवाद दिया। अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा, आज हम अपने गौरवशाली गणराज्य की शक्ति का जश्न मनाते हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम उन पुरुषों और महिलाओं का भी सम्मान करें जो हमें सुरक्षित रखते हैं। ट्रम्प ने बाइडेन के 78 फैसले पलटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार देर रात शपथ लेने के सिर्फ 6 घंटे के अंदर ही पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के 78 फैसलों को पलट दिया है। शपथ ग्रहण के बाद ट्रम्प कैपिटल वन एरिना पहुंचे। यहां उन्होंने लोगों के सामने बाइडेन के फैसलों को पलटने समेत कई कार्यकारी आदेशों पर साइन किए। ट्रम्प ने थर्ड जेंडर से जुड़े बाइडेन के आदेश को पलट दिया है। इसके अलावा पेरिस क्लाइमेट एग्रीमेंट से अमेरिका को बाहर निकालने का आदेश भी दिया है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में भी अमेरिका को इस एग्रीमेंट से बाहर किया था, जिसे बाद में बाइडेन ने पलट दिया था।

इसके बाद डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस पहुंचे। यहां भी उन्होंने कई कार्यकारी आदेशों पर साइन किए। इनमें 6 जनवरी की हिंसा के दोषियों को माफ और रिहा करने और विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर निकालने का आदेश शामिल है। ट्रम्प 1 फरवरी से कनाडा और मेक्सिको पर नए टैरिफ लागू करेंगे। ट्रम्प ने बताया कि वे पड़ोसियों पर 25% तक टैरिफ लगाएंगे। नौकरियों में भर्ती और वर्क फ्रॉम होम पर रोक डोनाल्ड ट्रम्प ने कार्यकारी आदेश जारी कर संघीय नौकरियों में भर्ती पर रोक लगा दी है। हालांकि, सेना में होने वाली भर्तियों को इसमें छूट दी गई है।

ट्रम्प की वापसी से पाकिस्तान-बांग्लादेश पर दबाव बढेगा

भारत-वर मिलिट्री संबंध मजबूत होंगे; इंडियन प्रोडक्ट्स पर टैरिफ का खतरा

एजेंसी

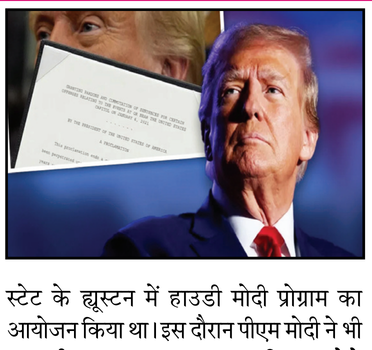

वॉशिंगटन, डोनाल्ड ट्रम्प ने कल 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रम्प को उनको नए कार्यकाल के लिए बधाई दी। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में उनके और पीएम मोदी के बीच काफी अच्छे संबंध रहे थे। ट्रम्प ने 2019 में राष्ट्रपति रहते पीएम मोदी के सम्मान में टेक्सास स्टेट के ह्यूस्टन में हाउडी मोदी प्रोग्राम का आयोजन किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने भी 'अबकी बार ट्रम्प सरकार' का नारा दिया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के साथ किस तरह के रिश्ते रखते हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान कहा था कि वो पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं। लेकिन पहले पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जवाबदेही तय करनी होगी। चुनाव प्रचार के दौरान भी ट्रम्प ने कहा था कि हम ताकत के दम पर दुनिया में शांति लेकर आएंगे। ट्रम्प का यह बयान कट्टरपंथ और आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के लिए सकारात्मक संदेश है। 2019 में जब कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया गया था, तब ट्रम्प ने इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने जम्मू कश्मीर को भारत का आंतरिक मामला बताया था। वहीं ट्रम्प ने बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर कहा था कि बांग्लादेश में भीड़ हिंदुओं पर हमला कर रही है, लूटपाट कर रही है। मेरे कार्यकाल में ऐसा कभी भी नहीं होता। कमला और बाइडेन ने अमेरिका समेत पूरी दुनिया में हिंदुओं की अनदेखी की है। इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) और अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन जैसे रक्षा सौदों ने भारत और यूएस सैन्य संबंधों को मजबूत किया है। ये सौदे बाइडेन के कार्यकाल में हुए थे।

नई दिल्ली क्षेत्र में घूम रही पंजाब नंबर की हजारों गाड़ियां, लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरे, प्रवेश वर्मा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

एजेंसी

5 फरवरी को होने वाले 2025 विधानसभा चुनाव में राजधानी की नई दिल्ली सीट को लेकर चर्चा जोरो पर है। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ 22 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इन 22 में से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे हैं, जबकि छह स्वतंत्र उम्मीदवार हैं। केजरीवाल के खिलाफ बीजेपी के प्रवेश वर्मा (साहिब सिंह वर्मा के बेटे) और कांग्रेस के संदीप दीक्षित (शीला दीक्षित के बेटे) के चुनावी मैदान में हैं।

इन 22 में से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे हैं, जबकि छह स्वतंत्र उम्मीदवार हैं। केजरीवाल के खिलाफ बीजेपी के प्रवेश वर्मा (साहिब सिंह वर्मा के बेटे) और कांग्रेस के संदीप दीक्षित (शीला दीक्षित के बेटे) के चुनावी मैदान में हैं।

हालांकि, वार-पलटवार की राजनीति भी खूब हो रही है। इन सबके बीच प्रवेश वर्मा ने बड़ा दावा किया है। प्रवेश वर्मा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री, पंजाब के सभी मंत्री और विधायक केवल नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लिए यहां आए हैं। पंजाब नंबर की हजारों गाड़ियां यहां घूम रही हैं - उन गाड़ियों में कौन हैं? गणतंत्र दिवस की तैयारियां चल रही हैं, वो लोग कौन सा बड़ा काम करने जा रहे हैं जिससे हमारी सुरक्षा से समझौता हो जाएगा?

भाजपा नेता ने कहा कि पंजाब के सरकारी कर्मचारियों द्वारा यहां चीनी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। कॉलोनी इंडिया गेट के नजदीक होने के कारण कुछ लोगों ने पुलिस से शिकायत की। जब वे पकड़े गए - तो उन्होंने कहा कि अअढ ने उन्हें सीसीटीवी लगाने के लिए भेजा था। मैंने चुनाव आयोग और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली में एक ही चरण में 5 फरवरी को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी। दिल्ली में लगातार 15 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस को पिछले दो विधानसभा चुनावों में झटका लगा है और वह एक भी सीट जीतने में नाकाम रही है। इसके विपरीत, अअढ ने 2020 के विधानसभा चुनावों में 70 में से 62 सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाया, जबकि भाजपा को केवल आठ सीटें मिलीं।

हम संविधान के लिए मर मिटने को तैयार, बेलगावी में बोलीं प्रियंका गांधी- राहुल से डरती है सरकार

कर्नाटक में कांग्रेस की जय भीम, जय बापू रैली

सिद्धारमैया बोले- गांधी सच्चे हिंदू, मरते वक्त हे राम कहा, शिवकुमार बोले- भाजपा गोडसे पार्टी

एजेंसी

बेलगावी, महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने पर कर्नाटक कांग्रेस ने बेलगावी में मंगलवार को जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली निकाली। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी शामिल हुए।

खड़गे ने कहा- भाजपा पिछले कई सालों से संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। अगर

देश में संविधान नहीं होता तो देश में अराजकता होती। यही कारण है कि आजकल लोग गांधी को याद करते हैं। लोग उनके काम, उनके बलिदान और योगदान के लिए उनका सम्मान करते हैं ।वहीं, सीएम सिद्धारमैया ने कहा- महात्मा गांधी एक डायहार्ड हिंदू थे और कांग्रेस गांधी के हिंदुत्व में विश्वास रखती है। गांधी हमेशा भगवान राम का नाम लेते थे। जब नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या की, तो गांधी ने हे राम कहा था। भाजपा ने हमेशा गांधी को हिंदू विरोधी के रूप में पेश किया, लेकिन वो 100 प्रतिशत झूठ है ।डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा- भले ही गांधी जी की मृत्यु हो गई हो, लेकिन उनके मूल्य अभी भी जीवित हैं। यह सिर्फ कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं है। राष्ट्रपिता के नेतृत्व और अहिंसा आंदोलन को दुनिया के सभी नेताओं ने स्वीकार किया था ।उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा-हम गोडसे पार्टी की कही हुई बातें नहीं सुनना चाहते। जो लोग स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में नहीं जानते। उन्हें नहीं पता कि बलिदान क्या होता है सीएमसिद्धारमैया बोले- भाजपा वाले मनुवादी, हमें संविधान की रक्षा करनी ही होगीसीएम सिद्धारमैया ने कहा- गांधी कभी भी हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं थे, लेकिन वे हिंदू धर्म में सुधार लाना चाहते थे।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के रुख को विश्व बैंक द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों ने रखा बरकरार

सिंधु जल संधि के संबंध में विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ ने किसी भी विवाद को संबोधित करने के लिए उसके एकमात्र अधिकार पर जोर देते हुए भारत के रुख को बरकरार रखा है। सिंधु जल संधि के तहत परियोजनाओं से संबंधित कुछ मुद्दों को संबोधित करने की अपनी क्षमता पर 20 जनवरी 2025 को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

SLRs कम्पार्टमेंट्स लिज़ींग पर देने के लिए अनुबंध हेतु ई-निलामी

मण्डल रेल प्रबंधक (कॉमर्शियल), पश्चिम रेलवे, भावनगर परा, भावनगर मण्डल से चलनेवाली ट्रेनों के SLRs कम्पार्टमेंट्स लिज़ींग पर देने के अनुबंध हेतु ई-निलामी आमंत्रित करते है। निलामी को IREPS वेबसाईट पर प्रकाशित कर दिया गया है। विवरण निम्नानुसार हैं।

अनुबंध का प्रकार : पार्सल स्पेस का लिज़ींग — **कैटलोग सं.** LEASE-2024-20

स्थान और संपत्ति का विवरण

एसएलआर के 3.9/04 टन पार्सल स्थान के पट्टा अनुबंध के लिए नीलामी:-

क्र. सं.	ट्रेन सं.	कम्पार्टमेंट	आवृत्ति	यहाँ से	यहाँ तक
1	09565	F/I SLR	दैनिक	PBR (पोरबंदर)	BVC(भावनगर टर्मिनस)
2	09566	F/I SLR	दैनिक	BVC(भावनगर टर्मिनस)	VRL(वेरावल)
3	09567	F/I SLR	दैनिक	VRL(वेरावल)	BVC(भावनगर टर्मिनस)
4	09568	F/I SLR	दैनिक	BVC(भावनगर टर्मिनस)	PBR(पोरबंदर)
5	19319	FSLR	बुधवार	VRL(वेरावल)	INDB(इंदौर)
6	11087	F/I SLR	शनिवार	VRL(वेरावल)	PUNE (पुणे)
7	22990	FSLR	मंगलवार & शनिवार	MHV(महुवा)	BDTS(बांद्रा टर्मिनस)
8	20968	R/I SLR	मंगलवार	PBR(पोरबंदर)	SC(सिकंदराबाद जं)

(1) ई-नीलामी प्रारंभ होने की तिथि **03.02.2025 को 11:00 बजे से**
(2) निलामी में भाग लेने हेतु IREPS ई-निलामी लिज़ींग पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है।
(3) अधिक विवरण हेतु www.ireps.gov.in पर लॉग ईन करें। 181

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

आरजी कर रेप-हत्या मामले में हाई कोर्ट पहुंची बंगाल सरकार

संजय रॉय के लिए की मृत्युदंड की अपील

एजेंसी

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले में संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के सियालदह अदालत के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार कलकत्ता उच्च न्यायालय चली गई। महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए खंडपीठ न्यायमूर्ति देबांगशु बसाक का रुख किया। मामला दर्ज करने की अनुमति दे दी गयी है ।सियालदह में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की

अदालत ने शनिवार को रॉय को पिछले साल 9 अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के खिलाफ किए गए अपराध का दोषी पाया था, जिसके कारण देश भर में अभूतपूर्व और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुआ था। न्यायाधीश दास ने दोषी को मौत की सजा नहीं देने के लिए कहा कि यह अपराध दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता है।

कोलकाता पुलिस के पूर्व नागरिक स्वयंसेवक रॉय को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार), 66 (मौत की सजा), और 103 (1) (हत्या) के तहत दोषी पाया गया था। जज ने कहा कि धारा 64 के तहत आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जुमार्ना अदा न करने पर पांच माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। धारा 103(1) के तहत, रॉय को 50,000 रुपये के जुमार्ने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, और जुमार्ना न चुकाने पर पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

शराब के पैसे न देने पर लाइनमैन ने काटा कनेक्शन

बांदा में चल रही बिजली विभाग की अवैध वसूली, जांच के आदेश

बांदा, बिजली विभाग में वसूली का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उपखंड कार्यालय में तैनात अस्थाई लाइनमैन सचिव पांडेय ने एक रेस्टोरेंट से शराब पीने के लिए पैसे मांगे और मना करने पर बिजली कनेक्शन काट दिया। रेस्टोरेंट के मालिक शैलेंद्र पर 21,630 रुपए का बिजली बिल बकाया था। लाइनमैन ने उनसे 300 रुपए शराब के लिए मांगे। जब शैलेंद्र ने देने से मना कर दिया, तो लाइनमैन ने अपने दो-तीन अस्थाई सहकर्मियों को बुलाकर बिजली कनेक्शन काट दिया। पीड़ित ने बताया कि परिवार में बीमारी के कारण पिछले पांच महीने से बिल जमा नहीं कर पाए थे। दो महीने पहले उन्होंने 20,000 रुपए जमा किए थे और शेष राशि जमा करने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन लाइनमैन ने उनकी एक न सुनी। बिजली कटने से रेस्टोरेंट में अंधेरा हो गया और ग्राहक भागने लगे। मजबूरन पीड़ित को उपखंड कार्यालय जाकर 11 हजार रुपए जमा करने पड़े और तब जाकर कनेक्शन बहाल हुआ। उन्होंने एसडीओ को लिखित शिकायत दी है। बांदा के अधीक्षण अभियंता नंदलाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं, और तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है।

25-25 हजार के इनामी बदमाश गिरफ्तार

हापुड़ में फायरिंग मामले के दो आरोपी पकड़े गए, पिस्टल और कार बरामद

हापुड़, पुलिस ने श्यामपुर गांव में हुई फायरिंग की घटना में वांछित दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, एक तमंचा और एक कार बरामद की है। एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में जरोठी रोड नवदुर्गा कॉलोनी निवासी गुल्लू उर्फ शिवांशु शर्मा और अनुज विहार निवासी सुशांत उर्फ विक्की उर्फ कबूतर शामिल हैं। यह मामला 24 जुलाई और 11 अक्टूबर 2024 को हुई दो अलग-अलग फायरिंग की घटनाओं से जुड़ा है, जिसमें सेंसर पाल पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में पुलिस पहले ही मुख्य आरोपी फौजी अभिषेक उर्फ सैंकी और उसके तीन साथियों - पिंकू शर्मा, मनीष और देवेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। अभी भी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सनातन के उत्कर्ष का महापर्व है महाकुम्भ: चिदानंद सरस्वती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सनातन को उसके चरम उत्कर्ष पर ले जाने का कार्य करेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ – चिदानंद सरस्वती .ऐसा दिव्य, भव्य महाकुम्भ का अयोजन सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से ही संभव .सनातन की एकता और समता का विश्व संदेश दे रहा है महाकुम्भ .

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ की समस्त दिव्यता झ भव्यता उसमें आने वाले संतों,महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से संभव है।महाकुम्भ में आये परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरु चिदानंद सरस्वती जी का कहना है कि महाकुम्भ भारतीयता का महापर्व है, सनातन आस्था को मानने वालों का इससे बड़ा कोई महोत्सव नहीं है। महाकुम्भ कुछ का नहीं सबका महोत्सव है, जिस उत्साह और जोश में लोग महाकुम्भ में भाग लेने आ रहे हैं, संगम के सब तट आस्थावान लोगों से भरे हुए हैं। ऐसा नजारा पूरे विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलता। ये सनातन के उत्कर्ष का महापर्व है और सनातन को उसके उच्चतम्-शिखर पर ले जाने का कार्य करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष चिदानंद सरस्वती जी का कहना है कि वो 1971 से महाकुम्भ में सम्मिलित होते रहे हैं। लेकिन जैसी दिव्य और भव्य व्यवस्था प्रयागराज के इस महाकुम्भ में है ऐसी पहले कभी नहीं देखी। महाकुम्भ के इस महाआयोजन के लिए उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ का ऐसा भव्य आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है।

उन्होंने बताया कि इस अद्भुत आयोजन को देख कर सभी लोग आह्लादित और उत्साहित हैं। देश ही नहीं विश्व के कोने-कोने से आये भक्त और पर्यटक महाकुम्भ की आभा, यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को देख कर यहां बार-बार आना चाह रहे हैं। महाकुम्भ से सनातन की एकता, सरसता का जो संदेश विश्व में जा रहा है अन्यत्र संभव नहीं है।

रंगीन रोशनी से नहाया शहर, और खूबसूरत हुआ महाकुंभ क्षेत्र

मौनी अमावस्या से पहले सजे हर चौराहे, हर सेक्टर में रंगीन जगमग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

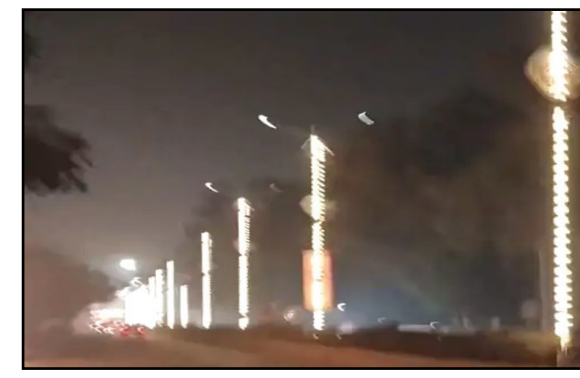

प्रयागराज, प्रयागराज महाकुंभ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। दिव्य, भव्य, डिजिटल और नव्य महाकुंभ की छटा देखते ही बन रही है। महाकुंभ के साथ ही प्रयागराज शहर की सड़कें जगमग रोशनी से नहाई हैं। रात में रंगीन रोशनी पूरे शहर की खूबसूरती बढ़ा रही है। ऐसा ही हाल महाकुंभ के हर क्षेत्र का है। शहर और महाकुंभ के मार्गों और चौराहों को भी आकर्षक स्वरूप दिया गया है जहां से होकर पर्यटक और श्रद्धालु महाकुम्भ पहुंच रहे हैं। अब सड़क किनारे के वृक्षों को रोशनी के माध्यम से नया स्वरूप दिया गया है। प्रयागराज महाकुंभ आ रहे आगंतुकों के स्वागत के लिए की कुम्भ नगरी की सड़कों को सजाया गया, शहर के चौराहे सुसज्जित किए गए और बारी है सड़क के दोनों तरह मौजूद हरे भरे वृक्षों को नया लुक देने की । नगर निगम प्रयागराज ने इस संकल्प को धरती पर उतारा है। नगर निगम के मुख्य अभियंता (विद्युत) संजय कटियार बताते हैं कि शहर में सड़क किनारे लगे वृक्षों का नया लुक देने के यूपी में पहली बार नियॉन और थीमेटिक लाइट के संयोजित वाली प्रकाश व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था में शहर के महत्वपूर्ण मार्गों के 260 वृक्षों के तनों, शाखाओं और पत्तियों में अलग अलग थीम की रोशनी लगाई गई है।

इनमें नियॉन और स्पाइरल लाइट्स को इस तरह संयोजित किया गया है जिसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कैसे रात के अंधेरे में पूरा वृक्ष आलोकित हो गया है।

किसानों का प्रदर्शन

❍ हाईवे के लिए अधिग्रहीत जमीन का कम मुआवजा मिलने का विरोध, डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, नेशनल हाईवे 931 के बाईपास चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण में पुराने सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा दिए जाने से नाराज होकर ठेंगहा गांव के किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। दर्जनों किसानों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा देने की मांग की। किसानों का कहना है कि उन्हें 2017 के सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा दिया जा रहा है, जो मौजूदा दरों से काफी कम है। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा और कई किसान भूमिहीन हो सकते हैं। किसानों ने प्रशासन से अपील की है कि उनकी जमीन का उचित मूल्यांकन करते हुए वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन में रामयज्ञ तिवारी, श्याम बहादुर सिंह, सुनील पांडे, अनुपम मिश्र, जय प्रकाश मिश्र, संजय सिंह और चंदन सिंह सहित कई किसान शामिल थे। डीएम ने किसानों की मांगों को गंभीरता से सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। किसानों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही उनकी समस्या का समाधान करेगा और उन्हें उचित मुआवजा मिलेगा।

जल जीवन मिशन की पोल खुली

बांदा में एक साल से पाइप लाइन बिछी, पर पानी नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पेयजल परियोजना जल जीवन मिशन की वास्तविकता सामने आई है। सरकारी आंकड़ों में 90% पूर्ण दिखाई जा रही इस योजना की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। बांदा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जरर और मजरा छनियां पूरवा के निवासियों ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि हर घर जल योजना के तहत एक साल पहले पूरे गांव में पाइप लाइन तो बिछा दी गई, लेकिन न तो किसी घर में पानी पहुंचा और न ही खोदी गई सड़कों का पुनर्निर्माण किया गया। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। पानी के भराव और कीचड़ के कारण ग्रामीण लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस मुद्दे को लेकर कई बार जिलाधिकारी को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन न तो ग्राम प्रधान, न कार्यदाई संस्था के ठेकेदार और न ही प्रशासनिक अधिकारियों ने कोई ठोस कदम उठाया है। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि उदासीन प्रशासन और भ्रष्ट कार्यदायी संस्था की वजह से प्रधानमंत्री की यह महत्वाकांक्षी योजना विफल साबित हो रही है। जहां एक ओर सरकार हर घर में नल से जल पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

लेखपाल की धमकी से किसान परेशान

❍ 5 माह से वरासत दर्ज नहीं की, बोला– मेरे भाई आरएसएस में हैं ; डीएम से शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक लेखपाल की मनमानी और धमकी भरे रवैये का मामला सामने आया है। डीएम के जनता दरबार में निजामपट्टी निवासी राशिद खान ने शिकायत की कि पांच महीने से उनकी वरासत दर्ज नहीं की जा रही है। राशिद खान ने बताया कि वह चार भाई हैं, लेकिन खतौनी में केवल एक भाई का नाम दर्ज है। इस संबंध में सितंबर 2024 में उन्होंने प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर आदेश भी जारी हुआ। इसके बाद 30 सितंबर को एसडीएम सदर की कोर्ट में वाद दायर किया गया, जिसमें पीड़ित का बयान दर्ज हो गया। मामले में हल्का लेखपाल सुनील सिंह का बयान दर्ज होना बाकी है। पीड़ित और उनके अधिवक्ता रवीन्द्र मिश्रा ने कई बार लेखपाल से संपर्क किया, लेकिन वह टालमटोल करता रहा। लेखपाल का कहना है कि उसके पास समय नहीं है और वह तहसीलदार से पत्रावली मंगवाने की बात कहता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लेखपाल ने धमकी भरे लहजे में कहा कि उसके भाई आरएसएस में हैं और कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। पीड़ित ने जिलाधिकारी से लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और बयान दर्ज कराने के लिए निर्देश देने का आग्रह किया है।

डीएम ने कार्यालय में सुनीं समस्याएं

अधिकारियों को कड़ी चेतावनी, शिकायतें लंबित रहने पर होगी कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, नए जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हुए अपने कार्यालय में जनता दरबार की शुरूआत की। पूर्व डीएम की तुलना में यह एक नई पहल है, जो सभागार के बजाय सीधे कार्यालय में जनता की समस्याएं सुन रहे हैं। जनता दरबार में डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्यशैली पूर्व जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना से अलग है, जिनके कार्यकाल में अधिकांश फरियादी बिना समाधान के लौटते थे। इस अवसर पर अल्पसंख्यक अधिवक्ता कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक एमएच खान अलगौरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह का स्वागत किया। ट्रस्ट के सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों और समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। यहां आरिफ हाश्मी, अय्यूब उल्ला, आफताब अहमद, फिरोज अकबर आदि मौजूद रहे। जनता दरबार में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गौरव शुक्ला, मुख्य राजस्व अधिकारी बाबू राम, सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह और एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इस नई व्यवस्था से जनता में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ने की उम्मीद जगी है।

हाईवे पर बेलगाम वाहनों पर कार्रवाई

10 माह में 2375 वाहनों का चालान, 5 .60 करोड़ का वसूला गया जुमार्ना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

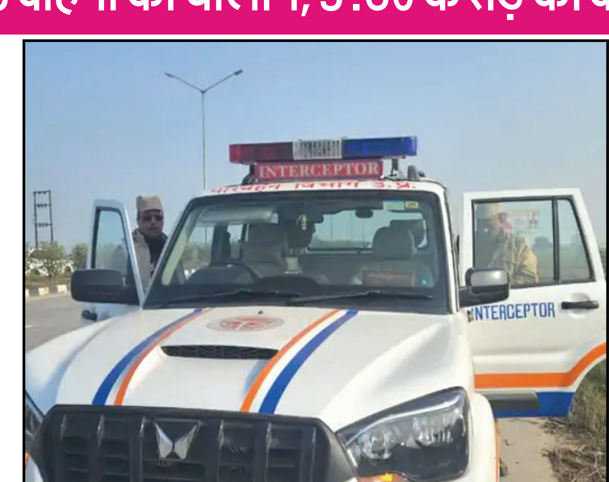

हापुड़, परिवहन विभाग ने हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की है। विभाग के इंटरसेप्टर वाहन ने पिछले दस महीनों में 2375 वाहनों का चालान काटकर 5.60 करोड़ रुपए का जुमार्ना वसूला है।

इनमें कार, बाइक और भारी वाहन शामिल हैं।

जिले से गुजरने वाले दो प्रमुख हाईवे - हाईवे 9 और हाईवे 334 पर बाइक के लिए अधिकतम गति सीमा 80 किमी प्रति घंटा, जबकि बस, कार और ट्रक जैसे बड़े वाहनों के लिए 100 किमी प्रति घंटा निर्धारित है। सप्ताह में दो दिन तैनात रहने वाला इंटरसेप्टर वाहन नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करता है।

जुमार्ने के तौर पर कार और दोपहिया वाहनों पर दो हजार रुपए तथा भारी वाहनों पर चार हजार रुपए का चालान काटा जाता है। कुल चालान में से 1950 मामले केवल कार और बाइक के तेज रफ्तार के हैं। एआरटीओ प्रवर्तन रमेश चौबे के अनुसार, जनवरी 2024 में ही 182 वाहनों का तेज गति के लिए चालान किया गया।

साथ ही ओवरलोडिंग, बिना परमिट और कर बकाया जैसे अन्य उल्लंघनों के लिए 38 वाहनों का चालान और 8 वाहनों को जब्त किया गया। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि हाईवे पर होने वाली अधिकतर दुर्घटनाएं तेज गति के कारण होती हैं। हालांकि आधुनिक हाईवे पर स्वचालित चालान काटने वाले कैमरे लगाए जाते हैं, लेकिन अभी तक जिले में यह व्यवस्था लागू नहीं की गई है।

हापुड़ डीएम ने एआरटीओ दफ्तर में की छापेमारी

दलालों में मची भगदड़, अधिकारियों को जनसेवा पर फोकस करने का निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हापुड़, संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय में दलालों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने मंगलवार को अचानक छापा मारा। पुलिस बल के साथ डीएम की अचानक दस्तक से दलालों में हड़कंप मच गया और वे मौके से फरार हो गए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कार्यालय में दस्तावेजों के रखरखाव की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि यद्यपि लाइसेंस बनाने समेत अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं, फिर भी दलालों का प्रभाव कम नहीं हुआ है। पूर्व में भी दलालों पर नकेल कसने के प्रयास किए गए, लेकिन कुछ समय बाद स्थिति जस की तस हो जाती थी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विभाग का मुख्य लक्ष्य जनसेवा होना चाहिए और आम जनता के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एलएलबी छात्रा से छेड़छाड़ और लूट

आरोपी ने चाकू से हमला किया, मोबाइल और 1200 रुपये छीने

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, सुल्तानपुर में एक एलएलबी छात्रा के साथ छेड़छाड़ और लूट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने छीड़ा गांव के रहने वाले गिरिजेश पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना 17 जनवरी की है, जब छात्रा दीवानी न्यायालय से अपने घर लौट रही थी। पीड़िता के अनुसार, रास्ते में आरोपी गिरिजेश ने उससे अश्लील बातें की और जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने छात्रा की पिटाई कर दी। जब पीड़िता ने मदद के लिए पुलिस को फोन करने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसका मोबाइल छीनकर फेंक दिया।

सपा नेता हत्याकांड में 6 के खिलाफ एफआईआर

परिजनों ने किया था हंगामा, सीओ ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का दिया आश्वासन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हसनपुर, रहरा थाना क्षेत्र में एक सपा नेता की दिनदहाड़े हत्या से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। जयतौली मुस्तकम निवासी 50 वर्षीय इशरत अली की सोमवार दोपहर करीब 12 बजे महरपुर गुर्जर से बाइक पर लौटते समय बदमाशों ने कनपटी पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के समय मृतक के भाई राहत अली की फोन पर इशरत से बात चल रही थी। राहत ने बताया कि उन्होंने फोन पर बदमाशों को ₹इशरत को पकड़ लो और मार दो₹ कहते हुए सुना और कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज भी सुनाई दी। जब वह मौके पर पहुंचे, तो बदमाश उनके भाई को खेत में खींच रहे थे और उन्हें देखते ही फरार हो गए। पुलिस ने राहत अली की शिकायत पर पूर्व प्रधान पति नाजिम, कमर, रहीस उर्फ छोटे, आकिब, नाहिद खां और विकार समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई,400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।।सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।
EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।